Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 48 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आज का युग जड़ का संग्रह करता है, चेतन का हनन करता है, यह बड़े शर्म की बात है।

Present age accumulates inert things and destroys sentient it is shameful.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मनोनीत राज्यपाल रमेन डेका का छत्तीसगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया आत्मीय स्वागत

छत्तीसगढ़ तेजी से उभरता प्रदेश, विकास को नई ऊंचाइयां देंगे : राज्यपाल रमेन डेका

पारंपरिक लोकनृत्यों और लोक धुनों के साथ हुआ मनोनीत राज्यपाल का स्वागत

शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को सवा दस बजे राजभवन के दरबार हाल में

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मनोनीत राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रानी डेका काकोटी के छत्तीसगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्टेट हेंगर में आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर मनोनीत राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ विकास के परिदृश्य में तेजी से उभर रहा है। यहां विकास को नये स्तरों पर पहुंचाने हम काम करेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त करने के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को धन्यवाद व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच फैसिलिटेटर की भूमिका निभाएंगे ताकि प्रदेश का विकास तेजी से हो। उन्होंने कहा कि वे असम और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए भी काम करेंगे। श्री डेका ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेश के विकास को लेकर है।

राज्यपाल रमेन डेका से मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास पर की चर्चा

मनोनीत राज्यपाल श्री रमेन डेका से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजभवन में मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने मनोनीत राज्यपाल श्री डेका से प्रदेश के हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने मनोनीत राज्यपाल का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और शॉल भेंटकर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने भी पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानन्द भी उपस्थित थे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी पुष्पगुच्छ भेंटकर राज्यपाल का अभिवादन किया। साथ ही मंत्रिमंडल के सदस्य उप मुख्यमंत्री अरुण साव, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी मनोनीत राज्यपाल का अभिवादन किया। स्टेट हेंगर में मनोनीत राज्यपाल को गार्ड आफ आनर दिया गया। राज्यपाल का स्वागत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक नृत्यों सुआ, कर्मा, डंडा और राउत नाचा से किया गया। इस मौके पर मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन तथा पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दसवें राज्यपाल के रूप में लेंगे शपथ : प्रदेश के मनोनीत राज्यपाल श्री डेका प्रदेश के दसवें राज्यपाल के रूप में 31 जुलाई को 10:15 बजे राजभवन के दरबार हाल में शपथ लेंगे। उन्हें यह शपथ छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा शपथ दिलाएंगे।

वायनाड भूस्खलन में मृतकों की संख्या 84 पहुंची, केरल में दो दिन का शोक घोषित

आर्मी-एयरफोर्स बचाव कार्यों में जुटी

कोझिकोड (आरएनएस)। वायनाड भूस्खलन त्रासदी में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब यह आंकड़ा 84 पहुंच गया है। प्रभावित क्षेत्रों में कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। केरल के मुख्य सचिव डॉ. वी. वेणु ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राज्य सरकार ने वायनाड के चूरलमाला में हुए भूस्खलन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस गंभीर त्रासदी को ध्यान में रखते हुए, केरल में मंगलवार और बुधवार को दो दिवसीय आधिकारिक शोक रहेगा। इन दोनों दिनों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राज्य सरकार के सभी आधिकारिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पोथुकालू हैं। इन इलाकों के स्थानीय लोग जो किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहे, वे इस त्रासदी की भयावहता से बेहद सदमे में हैं। वेल्लारीमाला में वीएचएसई स्कूल की प्रिंसिपल भव्या अपने छात्रों से संपर्क करने की लगातार कोशिश कर रही हैं। अब तक वह 560 छात्रों से बात कर पाई हैं और 22 से संपर्क नहीं हो पाया है।

उन्होंने कहा, मेरे स्कूल में 582 छात्र हैं। मैं अभी तक 22 से संपर्क नहीं कर पाई हूं। मुझे उम्मीद है कि वे सुरक्षित होंगे और मुझे सिर्फ इतना लगता है कि उनके फोन चार्ज नहीं हो रहे हैं। पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। इस भीषण बारिश में हमारे स्कूल को नुकसान हुआ है। मैंने अपने कई शिक्षकों से भी बात की है। मुंडाकायम एक और इलाका है जो प्रकृति के कहर से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एनडीआरएफ की टीम इलाके में पहुंच गई है। तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। यह जगह तबाह हो गई है और कई घर नष्ट हो गए हैं।

रेल हादसा : हावड़ा-मुंबई मेल की 18 बोगियां पटरी से उतरी, दो यात्रियों की मौत, 50 घायल

जमशेदपुर (आरएनएस)। झारखंड के चक्रधरपुर रेल मंडल में मंगलवार को तड़के चार बजे बड़ा ट्रेन हादसा हुआ। राजखरसावां-बडाबांबो स्टेशन के बीच हावड़ा से चलकर मुंबई जाने वाली 12810 मुंबई मेल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रेन की 18 बोगियां पटरी से उतर गईं। हादसे में अब तक दो यात्रियों की मौत हुई है, जबकि 50 यात्री घायल हुए हैं।

रेलवे की टीम राहत और बचाव में जुटी है। कई यात्रियों को नजदीक के हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। रिलीफ ट्रेन के साथ चक्रधरपुर रेल मंडल के कई सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे हैं। चक्रधरपुर मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है।

सरायकेला जिला प्रशासन के मुताबिक, दो यात्रियों की मौत हुई है। घायल यात्रियों को बस से अस्पताल ले जाया गया है। बताया गया कि इस रूट पर एक मालगाड़ी दो दिन पहले डिरेल हुई थी। मेल एक्सप्रेस उसी मालगाड़ी के डिब्बों से टकरा गई और उसकी 8-10 बोगियां बेपटरी हो गईं। कुछ डिब्बे आपस में चढ़ गए तो कई गति तेज होने के कारण बीच से मुड़ गए।

हादसे की वजह से दक्षिण पूर्व रेलवे के टाटानगर-चक्रधरपुर खंड पर रेल परिचालन पूरी तरह ठप हो गया है। इस हादसे के कारण कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है। क्रेन और अन्य मशीनों की मदद से डिब्बों को हटाने और फंसे हुए यात्रियों को निकालने का काम जारी है। हावड़ा-मुंबई रेल मार्ग पूरी तरह से बाधित है और अन्य ट्रेनों को डायवर्ट किया जा रहा है।

उच्चदाब स्टील उद्योगों को मिल रही है 713 करोड़ रुपए की बड़ी छूट

विगत 8 वर्षों में मात्र 35 पैसा प्रति यूनिट ही बढ़ा ऊर्जा प्रभार ● विगत 8 वर्षों में बढ़ी मंहगाई की तुलना में नाममात्र की वृद्धि

विभिन्न विकसित राज्यों की तुलना में भी छत्तीसगढ़ में सस्ती बिजली

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा प्रत्येक वर्ग के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए जो पुनरीक्षित विद्युत दरें घोषित की गई हैं उनमें खपत के आधार पर ऊर्जा प्रभार में की गई वृद्धि के बावजूद टैरिफ में लोड फैक्टर पर मिलने वाली छूट के द्वारा 713 करोड़ रूपये की छूट उच्चदाब स्टील उद्योगों को दी जा रही है। यह छूट अन्य किसी भी वर्ग के उपभोक्ता को नहीं मिलती है। नियामक आयोग द्वारा लोड फैक्टर पर मिलने वाली अधिकतम छूट (पॉवर फैक्टर इन्सेन्टिव) को 25 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत किया गया है। उल्लेखनीय है कि लोड फैक्टर पर मिलने वाली छूट को अज्ञात कारणों से, आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाया गया था। इस परिस्थिति में भी छत्तीसगढ़ में उच्चदाब स्टील उद्योगों को विकसित सामाजिक-आर्थिक-भौगोलिक अद्योसंरचना वाले ताप विद्युत उत्पादक अन्य राज्यों की तुलना में काफी रियायती दरों पर ही विद्युत आपूर्ति की जा रही है। नियामक आयोग ने इस छूट को 25 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है जो वर्ष 2021-22 के पूर्व 8 प्रतिशत थी इस तरह वर्तमान छूट भी 2 प्रतिशत अधिक ही रखी गई है।

वर्ष	ऊर्जा प्रभार (रू. प्रति यूनिट)
2017-18	6.00
2018-19	5.85
2019-20	5.85
2020-21	5.85
2021-22	5.95
2022-23	6.10
2023-24	6.10
2024-25	6.35

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकृत सूत्रों के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा 01 जून 2024 को वर्ष 2024-25 के लिए विद्युत आपूर्ति की नये दरों की घोषणा की गई है। जिसमें उच्चदाब स्टील उद्योगों के प्रति यूनिट ऊर्जा प्रभार में मात्र 25 पैसे (4.10 प्रतिशत) की वृद्धि कर 1 जून 2024 से प्रति यूनिट ऊर्जा प्रभार 6.35 रूपये निर्धारित किया गया है एवं लोड फैक्टर पर मिलने वाली अधिकतम छूट को 25 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत किया गया है, जो 4 वर्ष पूर्व अचानक, आश्चर्यजनक तथा अज्ञात कारणों से 8 प्रतिशत से बढ़ा कर 25 प्रतिशत कर दी गई थी। नियामक आयोग द्वारा छूट की दर 10 प्रतिशत करने की कार्यवाही इसलिए की गई ताकि अन्य श्रेणी के तथा सामाजिक-आर्थिक रूप से प्राथमिकता वाले विद्युत उपभोक्ताओं पर कम भार पड़े। पूर्व में वर्ष 2021-22 में टैरिफ आदेश जारी करते समय लोड फैक्टर छूट, अधिकतम 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया था, जबकि पॉवर कंपनी द्वारा इस प्रकार का कोई भी प्रस्ताव नियामक आयोग को नहीं भेजा गया था। आयोग द्वारा विगत वर्षों की वास्तविक खपत को आधार मानते हुए, उच्चदाब स्टील उद्योगों की इस वर्ष की अनुमानित खपत 11, 237 मिलियन यूनिट का आकलन किया है। इस खपत के आधार पर ऊर्जा प्रभार में की गई वृद्धि के बावजूद भी टैरिफ में लोड फैक्टर पर मिलने वाले छूट के द्वारा रू. 713 करोड़ की छूट टैरिफ के माध्यम से स्टील उद्योगों को प्राप्त हो रही है। इसके अतिरिक्त उच्चतम दाब की अवधि, जो कि प्रतिदिन पहले 6 घंटे थी, उसको भी टैरिफ में 8 घंटे कर दिया गया है, जिसमें स्टील उद्योगों को 80 प्रतिशत ही बिलिंग होगी। स्टील उद्योगों के टैरिफ का विगत वर्ष 2017-18 से तुलना करते है तो मांग प्रभार में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है। ऊर्जा प्रभार के दर में भी 6 रूपये प्रति यूनिट से बढ़कर 6.35 रूपये प्रति यूनिट की गई है, जो कि मात्र 35 पैसे प्रति यूनिट (5.83 प्रतिशत) की वृद्धि विगत सात वर्षों में हुई है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ में जब यह राशि मात्र 6.35 रूपये है तब महाराष्ट्र में 8.36 रूपये, तेलंगाना में 8.10 रूपये तथा मध्यप्रदेश में 7.15 रूपये है।

छत्तीसगढ़ में विगत वर्षों में एचवी-4 स्टील उद्योग के ऊर्जा प्रभार में हुई वृद्धि इस प्रकार है जो कि इन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में बढी मंहगाई दर की तुलना में बहुत कम है।

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

बृजमोहन अग्रवाल
लोकसभा सांसद
रायपुर (छत्तीसगढ़)

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

ओ.पी. चौधरी
वित्त मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

राजेश मूणत
विधायक
रायपुर पश्चिम विधानसभा

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

संजय श्रीवास्तव
प्रदेश महामंत्री एवं प्रवक्ता, भाजपा (छत्तीसगढ़)

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

धनेन्द्र साहू
पूर्व विधायक, अभनपुर विधानसभा क्षेत्र, छत्तीसगढ़

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

सत्यनारायण शर्मा
पूर्व विधायक, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र (छत्तीसगढ़)

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

बलदेव भाई शर्मा
कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर

'दैनिक विश्व परिवार' रायपुर का स्थापना दिवस

12वें वर्ष में प्रवेश पर बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं...

सुनील जैन
(आई.ए.एस.)
विशेष सचिव ऊर्जा एवं
मिशन संचालक जल जीवन
मिशन छत्तीसगढ़

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

संक्षिप्त समाचार

बोलने की कला पर कार्यशाला 1 अगस्त से, ट्रेनर होंगे सीए चेतन तारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। सुहिणी सोच संस्था एवं जिला साहू व्यापार प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय बोलने की कला पर कार्यशाला जो कि दिनांक 1 से 3 अगस्त शाम 4.30 से 6.30 होटल किंग्सवे रायपुर में आयोजन कर रही हैं। इस तीन दिवसीय पाठशाला में अपने विचारों और भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से केसे किसी के सामने अभिव्यक्त करें, मंच में लोगों के सामने किस तरह अपने शब्दों को सही और प्रभावी ढंग से बोल सके,किस तरह हमारा मंच पर आने से आत्मविश्वास विकसित हो सके, की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह ट्रेनिंग नैशनल ट्रेनर एवं मोटिवेशन स्पीकर सीए चेतन तारवानी जी देंगे।सीए चेतन तारवानी ने बताया कि कई लोगों में संकोच होने के कारण अपने विचारों को सही शब्दों एवं सुदृढ़ता और प्रभावशाली ढंग से नहीं रख पाते हैं।इस डर से वह झिझक को मिटाने अपनी बात को मंच पर सही शब्दों से पिरोने और अपने आत्मविश्वास को नई आगाज देने के लिए यह ट्रेनिंग कारगर सिद्ध होगी। इस कार्यक्रम में सुहिणी सोच संस्था की फ़ाउंडर मनीषा तारवानी अध्यक्ष दीक्षा बुधवानी एवं सेक्रेटरी पूनम बजाज तथा जिला साहू व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सूरज साहू, उपाध्यक्ष रामबाग साहू, प्रोग्राम डायरेक्टर मनोज साहू एवं राजेश साहू अपने सदस्यों सहित शामिल होंगे।

कंसारी समाज के तत्वावधान में श्री सत्येश्वर महादेव का जलाभिषेक

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के मध्य में स्थित, कंसारी समाज का गौरव श्री सत्यनारायण मंदिर में स्थापित श्री सत्येश्वर महादेव का दूसरे सोमवार को जलाभिषेक कार्यक्रम कंसारी समाज व महिला ईकाई के तत्वावधान में किया गया। मंदिर परिसर में समाज की भजन मंडली द्वारा भजन कीर्तन किया गया वहीं मंदिर के पुजारी पंडित भागवत प्रसाद मिश्रा के द्वारा श्री सत्येश्वर महादेव जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात जलाभिषेक कार्यक्रम संपन्न हुआ।कंसारी समाज की महिलाओं ने महिला संगठन की अध्यक्ष संतोष कंसारी के नेतृत्व में बढ़चढकर हिस्सा लेकर श्री सत्येंश्वर महादेव की पूजा आराधना व जलाभिषेक कर समाज की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर महिला संगठन, कंसारी समाज, मंदिर कमेटी के पदाधिकारी एवं युवा संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्व. श्रीमती टी. कृष्णवेणी स्मृति हिन्दी श्रेष्ठ सम्मान, हिन्दी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र हुए सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। नारायणी साहित्यिक संस्थान एवं चरामेति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में वृन्दावन सभागार, रायपुर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में अपनी शाला में कक्षा दसवीं में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले पचास से अधिक छात्रों को स्वर्गीय श्रीमती टी. कृष्णावेणी स्मृति हिंदी श्रेष्ठ सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. मृणालिका ओझा ने नारायणी साहित्य संस्थान एवं श्रीमती अनीता अग्रवाल ने चरामेति फाउंडेशन के कार्यों एवं उद्देश्यों का परिचय दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. वर्षा वरवंडकर, अध्यक्ष डॉ. मंजुला श्रीवास्तव एवं विशिष्ठ अतिथि श्रीमती टी. नागमणि ने अपने संबोधन में छात्रों को अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ होने हेतु संकल्प लेकर सतत प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राजेंद्र ओझा ने बताया है कि इस सम्मान कार्यक्रम में न केवल रायपुर अपितु भिलाई, तिल्दा, पलारी, बलौदा बाजार जैसे दूरस्थ शहरों के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के हिन्दी विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ ही 80- 85 या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र भी सम्मानित हुए। कार्यक्रम के प्रायोजक टी. राम प्रसाद राव ने सम्मानित छात्रों को बधाई देते हुए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। **-राजेंद्र ओझा**

समय-सीमा के भीतर करें समस्त आवेदनों का निराकरण : कलेक्टर

पं. चक्रपाणि हाई स्कूल ग्राउंड में होगा स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन

नगरीय निकाय सफाई कार्य में लाएं तेजी, जल भराव पर सख्त हिदायत

बलौदाबाजा (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय सीमा के तहत विभागीय कार्यो की काम काज की समीक्षा किए। इस दौरान विभागवार लंबित आवेदनों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों के प्रमुखों से कहा कि आप सभी आवेदन जो आम जनता के द्वारा मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर शिकायत शाखा, सीपी ग्राम्स, जन शिकायत पीजीएन एवं लोक सेवा गारंटी आदि के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। उनका निराकरण कर जिला कार्यालय को शीघ्र सूचित करें। सभी आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय सीमा के भीतर ही हो जाना चाहिए साथ ही इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विशेष ध्यान देने कहा हैं। उन्होंने आज नगरीय निकायों में जल भराव की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी नगरीय निकायों में साफ-सफाई पर जोर देते हुए सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए है। उक्त कार्य को एसडीएम द्वारा सतत् मॉनिटरिंग करने कहा गया है। बैठक में अतिवृष्टि एवं देवरीडीह जलाशय के टूटने से जिन किसानों के फसल नुकसान हुए है उनके लिए तत्काल अच्छी गुणवत्ता वाली बीज उपलब्ध कराने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए हैं ताकि किसान समय रहते पुन: फसल का रोपण कर सके.साथ ही बैठक मे आयुष्मान भारत पीएमजेएवाय, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना (ग्रामीण), पीएम उज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में तात्कालिक प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण(स्वामित्व), जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, इसके अतिरिक्त सिकल सेल एनीमिया उन्नमूलन वन अधिकार पट्टा व्यक्तिगत एवं सामूहिक, वन धन केंद्र, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम मुद्रा लोन योजना, स्टार्टअप इंडिया, पीएम आवास योजना (शहरीय), स्वच्छ भारत अभियान (शहरीय) पीएम भारतीय जन औषधि परियोजना, उजाला योजना, पीएम सौभाग्य योजना की समीक्षा की गई।

स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह होगा पं.चक्रपाणि हाई स्कूल ग्राउंड में- कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि जिला स्तरीय समारोह जिला मुख्यालय पं.चक्रपाणि हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित की जायेगी। समारोह के लिए अफसरों को अलग-अलग कामों के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई है। साथ ही आज लोक निर्माण विभाग एवं पुलिस विभाग से तैयारी सम्बंधित जानकारी ली गयी। बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए बैठक सहित अन्य तमाम व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह सवेरे 9 बजे पं.चक्रपाणि हाई स्कूल ग्राउंड में शुरू होगा। मुख्य अतिथि यहां ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। इसके पहले सभी सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण हो जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम का अंतिम रिहर्सल 13 अगस्त को सुबह 9 बजे स्टेडियम मैदान में होगा। समारोह स्थल की साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, शामियाना, मंच एवं माईक, पानी व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, शांति एवं यातायात व्यवस्था, मार्च पास्ट परेड, चिकित्सा व्यवस्था आदि के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ती गौते, प्रशिक्षु आईएफएस अक्षय दिनकर भोसले, सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी गण उपस्थित थे।

फेडरेशन के आह्वान पर घोषित अगस्त क्रांति आंदोलन का प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघर्ष करेगा पूर्ण समर्थन : कमल वर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले झन कर इनकार, हमर सुनव सरकार आंदोलन का पूर्ण समर्थन करने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री कमल वर्मा एवं प्रवक्ता श्री बालमुकुंद तंबोली ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि 6 अगस्त 2024 को इंद्रावती भवन (संचालनालय) से महानदी भवन (मंत्रालय) तक दोपहर 2 बजे से आयोजित मशाल रैली में संचालनालय में पदस्थ सभी राजपत्रित अधिकारी शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री कमल वर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा शासकीय अधिकारियों के मौलिक अधिकार महंगाई भत्ते से वंचित रखने के कारण अधिकारियों को आर्थिक रूप से काफी क्षति हो रही है। प्रदेश के विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समस्त अधिकारीगण दिन-रात परिश्रम करते है लेकिन सरकार द्वारा उन्हें केंद्र सरकार के समान डीए प्रदान नही किए जाने से अधिकारीगण हतोत्साहित हो रहे है। शासन के इस उपेक्षापूर्ण रवैए से राजपत्रित अधिकारियों में काफी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की कई बार कोशिश की गई है, लेकिन 6 महीने गुजर जाने के बाद भी सरकार की तरफ से अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अभी तक कोई पहल नहीं की गई है, ऐसे में अब सिवाय आंदोलन के कर्मचारी संगठनों के पास कोई अन्य रास्ता नहीं बचता है। अत: प्रदेश के समस्त राजपत्रित अधिकारी फेडरेशन के चार स्तरीय आंदोलन का समर्थन करेंगे। छत्तीसगढ़ राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रवक्ता श्री बालमुकुंद तंबोली ने बताया कि प्रथम चरण में 6 अगस्त को इंद्रावती भवन से महानदी भवन तक मशाल रैली प्रदर्शन, द्वितीय चरण में 20 से 30 अगस्त तक सांसदों एवं विधायकों को ज्ञापन, तृतीय चरण में 11 सितंबर को जिला/ब्लॉक/तहसीलों में मशाल रैली का आयोजन एवं चौथे चरण में 27 सितंबर को सामूहिक अवकाश लेकर जिलों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन होगा।

भारतीय वायु सेना अग्निवीर भर्ती रैली, अंतिम तिथि 4 अगस्त तक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय वायु सेना में अग्निवीर बनने युवाओं के लिये भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए अविवाहित महिला, पुरूष से आवेदकों से ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए है। जिनके लिये इच्छुक आवेदक 4 अगस्त 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदक की जन्म तिथि 3 जुलाई 2004 से 3 जनवरी 2008 के बीच हो। पुरूष आवेदक की उचांई 152.5 से.मी. एवं महिला आवेदक की उचांई 152 से.मी. हो। आवेदक किसी भी मान्यता प्राप्त संस्था से 102 विज्ञान सकाय से एवं अन्य विज्ञान सकाय से गणित, भौतिकी, एवं अंग्रेजी में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण किया हो एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत होना अनिवार्य है। भर्ती रैली से संबंधित अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट एचटीटीपीएस स्लेस अग्निपथवायु डॉट सीडीएसी डॉट इन httpsÑ//agnipathvayu.cdac.in पर आंनलाइन आवेदन कर सकते है।

निवर्तमान राज्यपाल श्री हरिचंदन को दी गई भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। निवर्तमान राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन को आज राजभवन में भावभीनी विदाई दी गई। वे आज भुवनेश्वर (ओड़िशा) के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती सुप्रभा हरिचंदन भी उपस्थित थी। राज्यपाल के प्रस्थान से पूर्व उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने राजभवन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की और आर्शीवचन दिया।उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से आप सभी लोग सदैव समृद्ध और सुखी रहें। राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पवर्षा कर श्री हरिचंदन का अभिवादन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय एवं उपसचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित राजभवन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

निवर्तमान राज्यपाल हरिचंदन ने दिया संबोधन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के लोगों का मुझे बहुत स्नेह मिला। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के क्षमतावान नेतृत्व में छत्तीसगढ़ बहुत तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ेगा। यहां के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बहुत सरल सहज हैं। वे आर्थिक, सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के साथ पूरे छत्तीसगढ़ को आगे ले जाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल से, बुद्धिजीवियों से और आम जनता से बहुत स्नेह मिला, मैं हमेशा छत्तीसगढ़ के अपने भाइयों-बहनों के साथ खड़ा रहूंगा। इन शब्दों के साथ ही स्टेट हैंगर में हुए विदाई समारोह में जय जगन्नाथ तथा जय जोहार का संबोधन कर निवर्तमान राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने छत्तीसगढ़ के निवासियों को भावुक विदाई दी। निवर्तमान राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि विदाई समारोह तो सबके जीवन में होता है। मेरे जीवन में भी हुआ है। मेरा छत्तीसगढ़ में राज्यपाल के रूप में समय बहुत अच्छे से बीता। यहां के लोग बहुत सरल और स्नेही हैं। यह बहुत सुंदर धरती है। यह प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी गरीबों, वंचित और हाशिये में पड़े लोगों को आगे लाने का कार्य कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ में इसका असर दिखता है। आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में मनाया गया और लोगों ने इसमें शामिल होकर राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट की।

श्री राधाकृष्ण मंदिर में दूसरे श्रावण सोमवार को 72000 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के मध्य में विराजमान श्री राधाकृष्ण मंदिर में दूसरे श्रावण सोमवार को भी पार्थिव शिवलिंग निर्माण करने भक्त उमड़ पड़े। दद्दा शिष्य मंडल एवं राधाकृष्ण मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा आयोजित 5 श्रावण सोमवार का यह दूसरा सोमवार था। प्रथम सोमवार को 45000 हजार पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भक्तों ने किया था उस हिसाब से गोलियां बनाई गई थी पर आयोजकों का अनुमान शिवभक्तों ने गलत साबित कर दिया। 61000 गोलियां बनाई गई थी पर 2 घण्टे में ही गोलियां समाप्त हो गई। 15 शिवभक्त मिट्टी से गोलियां बना रहे थे पर भक्तों तक पूर्ति नहीं हो पा रही थी। उत्साह इतना अधिक था कि जब गोलियां नहीं मिली तो स्वयं ही मिट्टी ले जाकर स्वयम ही गोलियां बनाकर शिवलिंग का निर्माण करने लगे और देखते ही देखते 72000 पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भक्तों ने कर दिया। जबकी आयोजकों के द्वारा एक दिन पूर्व से ही रविवार से गोलियां बनवाना प्रारम्भ कर देते हैं। दोपहर 12 बजे तक भक्तों का आना लगा रहा। इधर शिवलिंग का भक्तों के द्वारा झूमते हुए निर्माण और इधर सालासर समिति के सदस्य नेमी साहू के द्वारा भजनों की प्रस्तुति जारी थी उधर संतोष मिश्रा एवम देवेंद्र दुबे एवं अन्य ब्राम्हणों के द्वारा विधिविधान से पूजन अभिषेक करवाने के बाद आरती संपन्न हुई। दद्दा शिष्य मंडल ने भक्तों से आने वाले 4 - अगस्त रविवार को सुबह 10 बजे आयोजन स्थल में गोलियां बनाने आमंत्रित किया है। 5 अगस्त सोमवार को राधाकृष्ण मंदिर में शहस्त्र जलधारा का आयोजन किया गया है इसलिए उस दिन पार्थिव शिवलिंग का निर्माण सुबह 8 से 10:30 तक ही किया जाएगा। आयोजक परिवार ने सभी भक्तों से शिवलिंग निर्माण एवं सहस्त्र जल धारा में शामिल होने का अनुरोध किया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

अनु. क्र. (1) ई-निविदा सूचना क्र.: सीनि. डीईई-जी-आर-ओटीपी-24-25-13, दिनांक 24.07.2024
कार्य का नाम : रायपुर मंडल के केंद्री एवं नया रायपुर रेलवे स्टेशन पर 10 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट का प्रावधान।
निविदा मूल्य : 8,92,800.00 **बयाना राशि -** 17,900/- **निविदा जमा करने तिथि :** 24.08.2024 को 11.30 बजे तक
अधिक जानकारी/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए, कृपया सीनियर डीईई/जी/आर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें।
इन निविदाओं के लिए मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे और प्राप्त किए गए ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिक इंजिनियर/
आरएस एंड जी डिवीजनल रेलवे मैनेजर (इलेक्ट्रिक-जी)
PR/R/Sr. DEE (G) /AAA/92 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न Food Licence
इनकम TAX फाईल M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./13468/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 30-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13468
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652B00612** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KESHAV RAM VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHANAU RAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHISH KUMAR DAHARIYA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O DR. SHIVKUMAR DAHARIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /13474/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13474
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C0169A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PURAN LAL SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHOTU LAL SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SHASHI PRABHA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHWINI KUMAR DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13477/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 30-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13477
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **वार्ड 27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220J00426** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHARA MAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O KUNDAN DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री हरीश मत्थानी - पिता स्व. भारामल मत्थानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्री हासानंद मत्थानी - पिता स्व. भारामल मत्थानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./13426/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 30-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13426
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **वार्ड 27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR737D00514** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SAGAR MAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRILAL PUROHIT** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री दुर्गादत्त पुरोहित-पिता स्व. रामगोपाल पुरोहित 2. श्री धीरज पुरोहित - पिता स्व. रामगोपाल पुरोहित** पिता/पति, श्री/श्रीमती **3. श्री सौरभ पुरोहित - पिता स्व. राजेश पुरोहित 4. गौरव पुरोहित - पिता स्व. राजेश पुरोहित** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

स्वच्छ शहर प्लास्टिक मुक्त शहर, शंकर नगर पार्षद सुमन राम प्रजापति द्वारा बाजार में वितरित किये गये कपड़े के थैले

रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर वार्ड क्रमांक-30 के पार्षद सुमन राम प्रजापति स्वच्छता अभियान के तहत कपड़े के थैलों का वितरण लगातार कर रहे हैं इसी कड़ी में आज फल दुकान, सब्जी दुकान, किराना दुकान में भी थैलों का वितरण किया गया। पार्षद कार्यालय में नये राशन कार्ड के साथ वे कपड़े का थैला दे रहे हैं, बाजार में लोगो को जागरूक कर कपड़े के थैले वितरित कर रहे हैं। जिससे नागरिक सामान लेने जब भी बाजार जाए तो कम से कम पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का उपयोग करे जिससे शहर प्लास्टिक मुक्त बन सके। इस अवसर पर पार्षद सुमन राम प्रजापति ने कहा की प्लास्टिक पर्यावरण को प्रदूषित कर रही है, जिससे सड़क, कूड़ेदान, नाला और टैंक प्लास्टिक से भर जाते हैं जिससे आने वाली पीढ़ी के लिए समस्या पैदा हो सकती हैं। इसलिए पार्षद की टीम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, लोगों से अपील भी की गई कि घर से निकलते समय कपड़े का थैला लेकर निकले जब हम इसकी शुरुआत खुद से करेंगे तभी अन्य लोगों को भी जागरूक कर सकेंगे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 31 जुलाई 2024

खाद्य व औषधि प्रशासन ने खाद्य केंद्रों में जाकर किया खाद्य परीक्षण

बेमेतरा(विश्व परिवार)। कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बरसात के सीजन को ध्यान में रखते हुए जिला अंतर्गत होटल, गुपचुप कार्नर, मिष्ठान भण्डार, होटल, ढाबा, डेयरी व बेकरी फर्म इत्यादि का निरीक्षण किया जा रहा है। ऐसे प्रतिष्ठानों की कीचन, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, परिसर की स्वच्छता का निरीक्षण किया जा रहा है। इस माह जनजागरूकता अभियान के तहत चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा नवागढ़ स्थित विभिन्न फर्मों का निरीक्षण कर 54 नमूना जांच हेतु लिए गए तथा मौके पर प्राथमिक जांच कर 51 नमूने मानक एवं 03 नमूने अमानक पाए गए। दिलीप मिष्ठान भण्डार नवागढ़ से अमानक पाए गए 06 किग्रा मिल्क केक को तथा अखाद्य रंग से बने

चाट मसाला 02 किग्रा को गुपचुप सेंटर से मौके पर नष्ट किया गया। तथा गुणवत्ता में शंका के आधार पर पनीर लूज एवं पेंड़ा लूज का नमूना लिया गया है। इसी क्रम में बेमेतरा में नया बस स्टैण्ड स्थित फुट मार्केट में संचालित फर्म सरजू फुट भण्डार, राजपाल फल भण्डार, जीकेएस फुट मर्चेंट, चन्द्रशेखर फुट मचेंट, संजय सब्जी मार्केट का जांच कर विभिन्न फल जैसे अनासपत्ती, अनार, आलू बुखारा, जाम, शीमला सेव के पांच नमूनों तथा सब्जियों में कुंदरू, आलू, हरी मिर्च, प्याज के चार नमूनों में पेस्टीसाइड की मात्रा की जांच हेतु नमूना लेकर लैब भेजा गया है। अमानक स्तर के पाए गए खाद्य पदार्थों पान मसाला, चना बेसन, मिथ्याछाप बेकरी प्रोडक्ट, अवमानक चिली पाउडर, चायपत्ती एवं मिथ्याछाप पोहा इत्यादि के विक्रेता तथा निर्माता फर्म को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा प्रस्तुत प्रकरण में न्यायालय द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के उल्लंघन पाए जाने पर कुल 125000/- (एक लाख पच्चीस हजार) रूपए, अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है तथा बिना खाद्य लाइसेंस संचालित पाए जाने पर बेरला ब्लॉक स्थित फर्म राधेमणी कोल्ड स्टोरेज, ग्राम हरदी को न्यायालय द्वारा 50,000/- (पचास हजार) रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

स्कूल छात्रों से भरी ऑटो पलटी,12 छात्र घायल

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सोमवार को एक स्कूली छात्रों को ले जा रही ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हुए है वहीं कई छात्रों को चोट आई है। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय विद्यालय गोपालपुर के 12 छात्र स्कूल से छुट्टी के बाद रोज की तरह ऑटो से अपने घर आ रहे थे। इसी दौरान ऑटो चालक ने ऑटो से नियंत्रण खो दिया और ऑटो पलट गई। इस घटना में 2 छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए और 10 छात्र जख्मी हो गए हैं। आस पस मौजुद लोगों ने सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया वहीं गंभीर रूप से घायल हुए छात्रों को एनटीपीसी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि इस दुर्घटना के बाद छात्रों को गोपालपुर में प्राथमिक चिकित्सा देने के बाद दोनों गंभीर छात्रों को एनटीपीसी हॉस्पिटल पहुंचाया गया,लेकिन यहां सर्जन नहीं होने और घायल छात्रों को आउटर बताकर इलाज करने से मना कर दिया गया। जिसके बाद एक के परिजनों ने घायल छात्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं दूसरे गंभीर घायल छात्र को उसके परिजनों ने प्राईवेट अस्पताल में भर्ती कराया है।

जिला पुलिस लावारिस वाहनों को वाहन स्वामी को दिलाने के लिए प्रयासरत

कुल 1169 लावारिस वाहनो का किया जा रहा निराकरण

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा अनुभाग में कुल 441 वाहन, दर्री अनुभाग में कुल 402 वाहन, कटघोरा अनुभाग में कुल 326 वाहन थाना चौकी में लावारिस हालत में खड़े है। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी के द्वारा विशेष अभियान चलाकर थाना/चौकी में खड़े लावारिस

वाहनो की जांच कर उसका निराकरण किया जा रहा है। इस अभियान के तहत थाना/चौकी क्षेत्र जैसे बाज़ार, बस स्टैंड आदि में लावारिस हालत में मिले वाहन जो काफी समय से थाना में खड़े हैं उनकी जांच कर आरटीओ से वाहन स्वामी की जानकारी लेकर उनके वाहन स्वामी को संपर्क कर उनको सुपुर्दनामे में दिये जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत तीनों अनुभागों के द्वारा कुल 1169 वाहन जो थाने में लावारिस हालत में मिली है उसको चिह्नांकित किया गया है। जिसमें कोरबा अनुभाग के थानों में कुल 441 वाहन, दर्री अनुभाग में कुल 402 वाहन, कटघोरा अनुभाग में कुल 326 वाहन थाना चौकी को लावारिस हालत में क्षेत्र से प्राप्त हुआ है।

सडक़ों से मवेशियों को हटाने निगम और ट्रैफिक पुलिस ने की कवायद

कोरबा(विश्व परिवार)। नेशनल हाईवे और दूसरे मार्गों पर बने हुए ब्लैक स्पॉट इसलिए हटा दिए गए हैं, क्योंकि वहां लगातार हादसे हो रहे थे। इसकी बड़ी कीमत लोगों को चुकानी पड़ रही थी। अब शहरी क्षेत्र में सडक़ों पर दिन-रात जमे रहने वाले मवेशियों को पकडक़र सही जगह भेजने का काम किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम इस अभियान पर काम कर रहा है। ट्रैफिक पुलिस के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हुए सडक़ पर मौजूद मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट बांधा गया। उद्देश्य था कि दूर से ही यह चीज चमक में आने पर हादसे से मवेशियों को बचाया जा सके। अभियान को रफ्तार देने के लिए नगर निगम ने काउकैचर और कर्मचारियों को काम पर लगाया है। विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करने के साथ कर्मचारी अपने तरीके से सडक़ पर बैठे मवेशियों को पकडऩे के साथ सरकारी गोठान भेजने की कार्यवाही कर रहे हैं। यह सब इसलिए जरूरी है क्योंकि मवेशियों के सडक़ पर बैठने से लेकर आराम करने के दौरान उन पर वाहनों के चढऩे का डर बना हुआ है ट्रैफिक विभाग ने अभियान में संयुक्त रूप से अपनी भूमिका निभाई है। एएसआई मनोज राठौर ने बताया कि यातायात प्रभारी गोवर्धन मांझी के नेतृत्व में ट्रैफिक टीम विभिन्न क्षेत्रों में मवेशियों पर लगाम लगाने के लिए जुटी हुई है। आने वाले दिनों में मवेशी पालकों का पता लगाने के साथ उन पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

कुदमुरा मंडल भाजपा की मंडल कार्य समिति बैठक सम्पन्न

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी कुदमुरा मंडल की मंडल कार्य समिति बैठक कोरकोमा में आयोजित हुआ, जिसमें भाजपा के जिला मंत्री श्रीमती रेणुका राठिया ने आगामी कार्य योजना पर प्रकाश डालते हुए पार्टी द्वारा तय सभी कार्यक्रम को बूथ स्तर पर करने हेतु सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान की ।माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई प्रस्तावना, भारत के माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपति मुर्मू द्वारा संसद में दिए गए अभिभाषण का वाचन ,साथ ही प्रदेश कार्यसमिति में श्री शिवरतन शर्मा के जी द्वारा राजनीतिक प्रस्ताव का वचन कर उपस्थित कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा गया। भाजपा कुदमुरा मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मी श्रीवास ने आगामी पंचायत चुनाव हेतु सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ने हेतु आगामी कार्य योजना पर विस्तृत से प्रकाश डाला। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री श्रीमती रेणुका राठिया किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उमेश्वर सोनी , मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मी श्रीवास , महामंत्री राजू गुप्ता व हेमलाल झरिया,वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता ईश्वर सिंह राठिया ,मंडल के मंत्री ओमप्रकाश कंवर, दयाराम कंवर युवा मोर्चा के मंडल के अध्यक्ष धनंजय चौहान, चचिया सरपंच सीताराम राठिया ,नरेश पटेल , बन्धु राम यादव, रेशम चौहान,कन्हैया राठौर , बैतल राम, सुखलाल कंवर , मंगल सिंह, बरमसाय राठिया, सचिन राठिया, चेतन वर्मा सहित कुदमुरा मंडल के वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चिरायु टीम द्वारा आंगनबाड़ी व स्कूलों में जाकर बच्चों का किया जा रहा स्वास्थ्य परीक्षण

कोरबा(विश्व परिवार)। चिरायु योजना (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात हृदय रोग, मोतियाबिन्द, कटे-फटे होठ, टेढ़े-मेड़े हाथ पैर सहित 44 गंभीर बिमारियों के इलाज शासन द्वारा कराया जाता है। योजनांतर्गत समय रहते उपचार हो जाने से मरीज की स्थिती और अधिक नहीं बिगड़ती और साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को इलाज और जॉच में अधिक व्यय नहीं करना पड़ता है। मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में चिरायु योजना निचले तबके से आने वाले बच्चों के लिए वरदान है। जिन बिमार बच्चों के अभिभावक उनका बेहतर ईलाज नहीं करा पाते हैं उनके लिए यह योजना बेहद कारगर है। आंगनबाड़ी केन्द्रों और हाई स्कूल में अध्ययनरत बच्चों का इस योजना के अंतर्गत नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर बिमारियों से ग्रसित होने पर अस्पतालों में नि:शुल्क इलाज की सुविधा इस योजना में शामिल है। उन्होने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत कोरबा जिले में 12 टीमें कार्य कर रही हैं। जिसमें एक टीम में 02 मेडिकल ऑफिसर, 01 फार्मासिस्ट, 01 ए.एन.एम. तथा एक लैब टेक्नीशियन शामिल है। इन टीमों के द्वारा जिले के समस्त शासकीय स्कूलों में वर्ष में एक बार व ऑगनबाड़ी में वर्ष में दो बार बालक-बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार किया जाता है तथा ऐसे बच्चे जिन्हे गंभीर बिमारी होती है उन बच्चो को चिन्हांकन कर उनके उपचार हेतु जिला स्तर पर निजि चिकित्सालय के द्वारा लगाये गए शिविर माध्यम से बच्चे कि बिमारी को सुनिश्चित किया जाता है। साथ ही चिरायु दिवस में शासकीय अस्पताल में हृदय रोग, जन्मजात विकृति कुपोषण, विकास संबंधी अवरोध, अस्थि रोग, कटे-फटे होठ एवं तालु, प्लास्टिक सर्जरी व अन्य जटिल रोगों का उपचार किया जाता है।

जनचौपाल में चांदनी की समस्या का हुआ समाधान, अब आगे की पढ़ाई होगी आसान

कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी आमजनो की समस्याएं

कोरबा(विश्व परिवार)। सर मैं आगे पढ़ना चाहती हूं, कृपया मेरा किसी विद्यालय में दाखिला करा कर हॉस्टल में रहने की व्यवस्था करा दीजिए। उक्त बातें कलेक्टर श्री अजीत वसंत के समक्ष आज जनचौपाल में 15 वर्षीय कुमारी चांदनी लोहार ने कही। कलेक्टर ने चांदनी की समस्या को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल उसका विद्यालय में एडमिशन कराने एवं हॉस्टल में रहने की व्यवस्था करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग को निर्देशित किया। कोरबा शहर के इमलीडुग्गु की रहने वाली चांदनी ने बताया कि वह 8वीं पास है। उसकी मां का निधन हो गया है एवं पारिवारिक समस्याओं के कारण वह आगे की

पढ़ाई जारी नही कर पा रही है। चांदनी आगे पढ़कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती है। इस हेतु उसके द्वारा कलेक्टर जनचौपाल में आवेदन किया गया। कलेक्टर ने चांदनी का शहर के किसी शासकीय विद्यालय में तत्काल कक्षा 9वीं में प्रवेश दिलाकर कन्या छात्रावास में रहने की व्यवस्था करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उसके पढ़ाई हेतु अन्य आवश्यकताओं की भी पूर्ति करने की बात कही। जिला कार्यालय में आयोजित हुए कलेक्टर जनचौपाल में आज कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रो से आए आम लोगों की समस्याओं, शिकायतों को गंभीरता से सुनकर अधिकारियों को निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। जनचौपाल में दीपका कॉलोनी के रहने वाले श्री लिम्बेश्वर साहू द्वारा ग्राम झाबर में विधिवत क्रय की हुई भूमि पटवारी हल्का नंबर 49 के खसरा नंबर 36, रकबा 0.40 एकड़ व खसरा 279/1 रकबा 4.33 एकड़ कुल 4.73 एकड़ भूमि पर कब्जा दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। लिम्बेश्वर साहू ने बताया कि उक्त भूमि पर एक अन्य पक्ष द्वारा अनावश्यक हस्तक्षेप करते हुए बलपूर्वक कब्जा किया गया है। जिसका कब्जा हटाने का आदेश पूर्व में ही तहसीलदार दीपका एवं एसडीएम कटघोरा द्वारा जारी किया गया है। परन्तु दूसरे पक्ष द्वारा अब भी उक्त जमीन से कब्जा नही हटाया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा दीपका तहसीलदार को जल्द से जल्द उक्त भूमि पर से कब्जा हटवाकर कर लिम्बेश्वर को काबिज कराने हेतु निर्देशित किया गया। हरदीबाजार निवासी भवानी सिंह नेताम द्वारा शासकीय योजना से सुअर पालन हेतु सहायता का आवेदन दिया गया। कलेक्टर द्वारा पशु पालन विभाग को आवेदक के यहां विभागीय योजनांतर्गत पशु शेड निर्माण कराने की बात कही गई। माखूरपानी पंचायत के आश्रित ग्राम बोकली भादा का रहने वाला व बतरा हाई स्कूल में नियमित कर्मचारी के रूप में पदस्थ पहाड़ी कोरवा युवक श्रीराम ने अपने माता पिता के स्वास्थ्य समस्या की जानकारी देते हुए उनकी उचित देखभाल हेतु अपना स्थानांतरण सतरेंगा हाई स्कूल कराने का आवेदन कलेक्टर को दिया।

संक्षिप्त समाचार

मालिक का पैसा किया गबन,आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़(विश्व परिवार)। पोल्ट्री फार्म में वसूली का काम करने वाले युवक द्वारा अमानत में खयानत करते हुए अपने मालिक के 72 हजार रूपये को गबन करने के मामले में गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसारा मिट्ठुमुडा दुर्गा चौक में रहने वाले गुलजार अहमद ने थाना जूटमिल में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि इसकी रिंकू पोल्ट्री फार्म नाम से पुराना बस स्टैंड के पास पोल्ट्री फार्म है । पोल्ट्री फार्म का बकाया रकम वसूलने के कार्य के लिए स्माइल खान निवासी जूटमिल को काम पर रखा था। पिछले 2 साल से स्माइल खान उधारी रकम वसूल कर कैशियर को दिया करता था किंतु जून माह में जोरापाली के अहमद खान के पास मुर्गी बिक्री का 72 हजार रूपये इस्माइल खान ने वसूली कर लेकर कैशियर को नहीं दिया। जिसकी जानकारी होने पर स्माइल खान से पूछताछ किया तो उसने जोरापाली के अहमद खान से रूपये लेकर स्वयं खर्च कर देना बताया। जिसपर पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध धारा 408 आईपीसी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी स्माइल खान पिता अयूब खान उम्र 21 साल निवासी जूटमिल सामने गली थाना जूटमिल को हिरासत में लिया गया। पुछताछ में आरोपी ने बताया कि वह 14 जून को जोरापाली के अहमद खान से पोल्ट्री का 72 हजार रूपये लेकर आया था तथा उसे जुए में हार जाना बताया। आरोपी से कड़ी पूछताछ करने पर उसने रकम को स्वयं खर्च कर देना बताया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से शेष रकम तीन हजार को जप्त किया।

फ्लू दुकान में घुसा दी वाहन

कोरबा(विश्व परिवार)। कोबा जिले के हरदी बाजार थाना अंतर्गत भिलाई बाजार चौक समीप फ्लू दुकान का संचालक बाल-बाल बचा। जानकारी के अनुसार एक बैगनार कार के चालक नराईबोध निवासी जो की एक हाथ और पैर से पैरालिसिस होने के बावजूद लापरवाही पूर्वक अपनी कार चलाते हुए भिलाई बाजार चौक में लगा फ्लू दुकान पर सीधा गाड़ी को घुसा दिया। दुकान का संचालक मणि शंकर पाटले एवं उसकी पत्नी बाल-बाल बचे। जहां वह बैठता था उसी जगह में गाड़ी जा घुसी। फिलहाल किसी प्रकार की अनहोनी नहीं हुई। लोगों का कहना है पैरालिसिस होने के बाद भी स्वयं अपनी कार को चलाता है और इस तरह से दुर्घटना और एक दो बार हो चुकी है। आज की घटना के समय मणि शंकर पाटले वहां बैठा रहता तो कुछ भी घटना घट सकती थी फिलहाल आपसी राजी नामा कर मामला सुलझा लिया गया है।

आर टी ओ की कार्रवाई

कोरबा(विश्व परिवार)। लगातार बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा के मद्देनजर परिवहन मुख्यालय रायपुर के आदेश पर परिवहन उड़नदस्ता कोरबा आरटीओ इंस्पेक्टर सी के साहू के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा विभिन्न मार्गो पर बिना किसी उचित कारण के बीच सड़क पर वाहन को खड़ी कर यातायात को बाधित करने वाले,नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे एवं अन्य महत्वपूर्ण सड़कों पर नियम विरुद्ध बेतरतीब ढंग से खड़े हुए वाहनों,ब्लैक स्पॉट, अंधे मोड़,संकीर्ण सड़क , ब्यस्तम मार्ग पर वाहन खड़ी कर आराम फरमा रहे वाहन चालकों,ढाबों के किनारे नियम विरुद्ध खड़े वाहनों पर चलानी कार्यवाही की गई. गौरतलब है की जिले में बीते 06 माह में सड़क किनारे नियम विरुद्ध खड़े वाहनों की वजह से कई लोगों की जान जा चुकी है तथा अनेक गंभीर सड़क हादसे हुए है। किसी कारणवश बिगड़े , पंचर टायर,खराबी हालत में खड़े वाहनों को छोड़कर ,जानबूझकर खड़े कर यातायात के मुक्त प्रवाह में अवरोध डालने वाले ऐसे विभिन्न वाहनों पर आज विशेष जांच अभियान चलाकर समाचार लिखे जाने तक 37 वाहनों से ऑफलाइन व आनलाइन माध्यम से चलानी कार्यवाही कर 43500 की जुर्माना राशि वसूल की गई।

नहर में मिली लापता महिला की लाश

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा में उरगा थाना के ग्राम बरीडीह स्थित नहर में महिला का शव मिला है। मृतका की पहचान भिलाई खुर्द निवासी गुरुवारिन पटेल (49 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार भिलाई खुर्द निवासी गरूवारिन पटेल शनिवार की दोपहर खेत देखने जाने के नाम से घर से निकली थी और घर नही लौटी। महिला जब घर नहीं आई तो परिजनों ने तलाश शुरू की। महिला के घर में पति और दो बेटे सहित पड़ोसी भी महिला की तलाश में जुटे हुए थे। उसकी तलाश कर ही रहे थे कि सोमवार की सुबह ग्रामीणों की नजर महिला पर पड़ी। महिला की लाश नहर में तैर रही थी। लाश मिलने की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जाता है कि महिला रोज खेत में काम करने सुबह जाती थी और शाम तक वापस लौट आती थी। अनुमान लगाया जा रह है कि खेत में काम करने के दौरान वह नहर में गई होगी और तेज बहाव में बह गई होगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

संपादकीय

अंदरूनी कलह बड़ी भूमिका निभाई

रजनीश कपूर

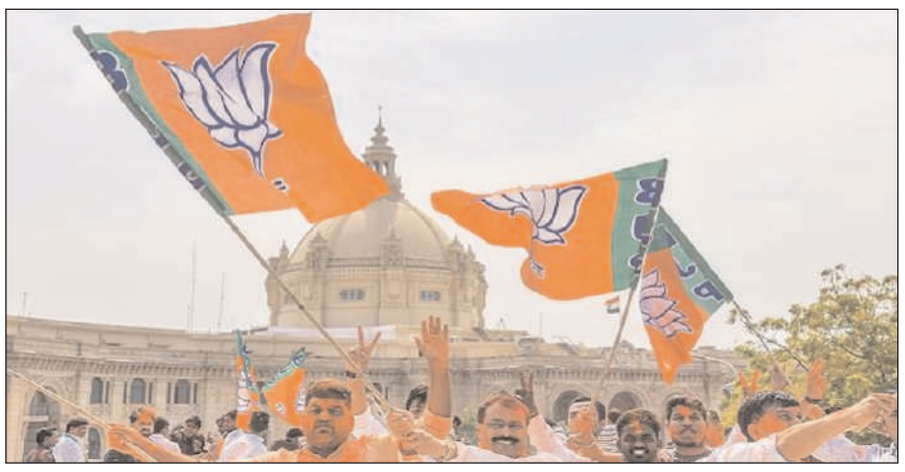

हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा %अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।' इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बादहै। प्रदेश में बीजेपी को पहले के मुक़ाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं है। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? जबकि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण,अनुच्छेद 370 के हटने और तीन तलाक़ के मुद्दे थे। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह %अबकी बार 400 पार' के अपने नारे को सच कर दिखाएँगे। परंतु ऐसा नहीं हो सका। ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौनसी कमी उनकी नीति मे थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में देखा गया? क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गये ग़लत फ़ैसलों ने ज़मीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहाँ पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा %अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ज़मीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नजर आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नजर बनाए रखी और खूब भागदौड़ की वो काफ़ी फ़ायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और %इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का उन पर विश्वास, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए। चुनाव के दौरान और चुनाव संपन्न होने के बाद जिस तरह अखिलेश यादव की सेना ने चौकन्ना रह कर स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग पर दबाव बनाए रखा वो फ़ायदेमंद साबित हुआ। यदि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इसी ऊर्जा और रणनीति से अभी से जुटे रहेंगे तो 2027 के विधान सभा चुनावों में भी उनका प्रदर्शन बढिया रहेगा। उत्तर प्रदेश के अगले विधान सभा चुनावों में यदि सही रणनीति और सही उम्मीदवारों का चयन हो, यदि वहाँ की जनता की समस्याओं के समाधान की एक ठोस योजना हो तो उन मतों को भी अपने पाले में लाया जा सकता है जो बुनियादी मुद्दों से भटका दिये गये हैं। इतना ही नहीं, जिस तरह समाजवादी पार्टी को एक विशेष वर्ग के लोगों की पार्टी माना जाता था, उसका भी भ्रम इस बार के चुनावों में टूटा है। सभी हिंदू तीर्थ स्थलों में सपा ने भाजपा को शिकस्त दी है। समाजवादी पार्टी ने जिस तरह %एम-वाई' फैक्टर को नये रूप में पेश किया वह भी काम कर गया है। इस बार के चुनावों %एम-वाई' फैक्टर को %महिला' एवं %युवा' के रूप में देखा गया। यदि इसी तरह की रणनीति के तहत अखिलेश यादव की पार्टी 2027 के विधान सभा चुनावों की योजना बनाए तो उनको अगली विधान सभा में 300 का आँकड़ा पार करना मुश्किल न होगा। ऐसा करने के लिए उन्हें %इंडिया' गठबंधन के दलों को भी अपने साथ लेकर चलना होगा। जिस तरह भाजपा हर समय चुनावी मूड में रहती है यदि विपक्षी पार्टियाँ भी उसी मूड में रहें तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे पायेंगी। इसके साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को ही इस बात पर भी तैयार रहना चाहिए कि यदि किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो गठबंधन की सरकार ही विकल्प होता है। यदि कोई भी दल इस अहंकार में रहे कि वो एक बड़ा और प्रभावशाली राजनैतिक दल है और विपक्ष दर्शक दीर्घा में बैठने के लिए है तो फिर उसे तब झटका लगेगा ही जब उसे सरकार बनाने के लिए अन्य दलों के आगे झुकना पड़ेगा। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ज़मीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नजर आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया।

डिजिटल एडिक्शन की लत घातक.....

देश के प्रत्येक नागरिक को मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले निजी विधेयक पर विचार की मंजूरी सरकार ने दी है। पिछड़े व दूरदराज के क्षेत्रों के वासियों तक इंटरनेट सुविधाओं के लिए किसी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान नहीं करना होगा। राज्य सभा में यह विधेयक पहले ही पेश किया जा चुका है। दूरसंचार मंत्री के अनुसार राष्ट्रपति ने विधेयक पर विचार करने की सिफारिश की है। देश के पिछड़े व दूर-दराज के रहवासियों को समान रूप से इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के यह विशेष उपाय सरकार करेगी। डिजिटल विभाजन को पाटना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है। इसलिए उन्हें इंटरनेट का प्रयोग करने की सुविधा होना सकारात्मक सोच है। फोर्ब्स के अनुसार भारत में 2024 के शुरुआती दिनों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले पूरी आबादी का 52 फीसद से अधिक हो चुके हैं। 36 फीसद ग्रामीण डिजिटल पेमेंट का प्रयोग कर रहे हैं। जो तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। बिजली कटौती में आ रही कमी और नौजवानों की बढ़ती आबादी भी इसकी बुनियाद में है। तकनीक ने रोजमर्रा के जीवन में अपनी अहमियत तेजी से बढ़ाई है। शिक्षितों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है, जिसके चलते लोग स्मार्ट फोन, कंप्यूटर व अन्य डिवाइसों का इस्तेमाल करना सीख रहे हैं। मुफ्त इंटरनेट देने का सरकार फैसला सकारात्मक कहा जा सकता है। मगर यह ख्याल भी रखना जरूरी है कि जनता नेट में खोज क्या रही है? आम भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल पढाई, जानकारी या सूचनाओं को एकत्र करने की अपेक्षा मनोरंजन, सेक्सुअल कंटेंट व अनावश्यक चीजों के लिए अधिक करता है। गूगल द्वारा प्रयोगकर्ताओं की सालाना की गई खोजों की सूची में भारतीय वर्षो से पोर्न क्लिप की खोज में अव्वल आते हैं। मुफ्त इंटरनेट का प्रयोग यदि इसी तरह किया जाता रहा तो समाज में व्यभिचार बढ़ने की आशंका हो सकती है। इसमें खास तरह का फिल्टर लगाना भी उचित नहीं कहा जा सकता। निस्संदेह ये सेवाएं सरकार किसी निजी संचार सेवा से लेगी, जिसका भुगतान करने में मोटी राशि खर्च की जाएगी। अच्छा विचार होने के बावजूद इंटरनेट मुफ्त देने से डिजिटल एडिक्शन की लत घातक हो सकती है। हां, इसे कुछ अवधि के लिए मुफ्त किया जाना चाहिए था।

विशेष लेख

दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया

डॉ. दिलीप चौबे

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षो में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई।बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है। रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था। संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा।विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा। विकल्प के रूप में अमेरिका ने ऑक्स (आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) के रूप में नया गुट तैयार किया है। इसी के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुजियो किशिदा तो एशिया में सैन्य संगठन नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था कायम किए जाने के हिमायती हैं। कुछ दिन पहले रूस और चीन के बमवर्षक युद्ध विमानों ने अमेरिका के अलास्का प्रांत के पास उड़ान भरी। इन पर निगरानी रखने के लिए अमेरिका और कनाडा के युद्धक विमानों ने भी उड़ान भरी। यह घटनाक्रम अमेरिका के खिलाफ रूस और चीन की सैन्य लामबंदी का द्योतक है। हाल में रूस ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता किया है जो दक्षिण कोरिया और जापान के लिए सीधी चुनौती है। एशिया में बदलते हुए इस परिदृश्य ने भारत की विदेश नीति के सामने बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच खटास आने से इसमें एक नया आयाम जुड़ गया है। यह विडंबना है कि ऐसा उस समय हो रहा है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी में भारतीय मूल की कमला हैरिस अग्रणी है। अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। यह द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सहायक सिद्ध होगा।

बाघों ने चुन लिया प्रकृति का सुन्दर स्थान-मध्यप्रदेश

पृथ्वी का सबसे सुंदर प्राणी बाघ है और बाघों का मध्यप्रदेश में डेरा है। इस बात पर मध्यप्रदेश के लोगों को गर्व है। ठीक उसी प्रकार जैसे भारत देश को बाघों की 3682 संख्या पर गर्व है। यह दुनिया में बाघों की कुल संख्या का 75 प्रतिशत हैं। मध्यप्रदेश के लिए सबसे खुशी की बात यह है कि यहां टाइगर रिजर्व के बाहर भी बाघों की संख्या बढ़ रही है। आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश दुनिया को बता सकता है कि मध्यप्रदेश के लोगों को अपने बाघों पर अभिमान है।सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में मध्यप्रदेश में बाघों की आबादी 526 से बढ़कर 785 पहुंच गई है। यह देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में चार-पांच सालों में 259 बाघ बढ़े हैं। यह वृद्धि 2010 में कुल आबादी 257 से भी ज्यादा है। वन विभाग के अथक प्रयासों और स्थानीय लोगों के सहयोग से जंगल का राजा सुरक्षित है। सभी मिलकर यही संकल्प लें कि भावी पीढ़ी के लिए प्रकृति का बेहतर संरक्षण करें और एक सहृदय भद्र पुरुष के रूप में बाघों के परिवार को फलने फूलने का अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग करें। बाघों की पुनर्स्थापना का काम एक अत्यंत कठिन काम था, जो मध्यप्रदेश ने दिन-रात की मेहनत से कर दिखाया ऐसे बना टाइगर स्टेट्बाघों की गणना हर 4 साल में एक बार होती है। वर्ष 2006 से बाघों की संख्या का आंकड़ा देखें तो वर्ष 2010 में बाघों की संख्या 257 तक हो गई थी। इसे बढ़ाने के लिए बाघों के उच्च स्तरीय संरक्षण और संवदेनशील प्रयासों की आवश्यकता थी। मध्यप्रदेश को बाघ प्रदेश बनाने की कड़ी मेहनत शुरु हुई। मानव और वन्यप्राणी संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए 16 रीजनल रेस्क्यू स्क्वाड और हर जिले में जिला स्तरीय रेस्क्यू स्क्वाड बनाए गए। वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए वन्यप्राणी अपराध की खोज में विशेषज्ञ 16 श्वान दलों का गठन किया गया। अनाथ बाघ शावकों की रिवाल्विंग की गई है। विभिन्न प्रजातियां विशेष रूप से चीतल, गौर और बारहसिंगा का उन स्थानों पर पुनर्स्थापना किया गया, जहां वे संख्या में कम थे या स्थानीय तौर पर विलुप्त जैसे हो गए थे। राज्य स्तरीय स्ट्राइक फोर्स ने पिछले आठ वर्षों में वन्यप्राणी अपराध करने वाले 550 अपराधियों को 14 राज्यों से गिरफ्तार किया गया। इसमें से तीन विदेशी थे। संरक्षित क्षेत्र के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन के लिए बजट की व्यवस्था की गई। वन्य प्राणी पर्यटन से होने वाली आय की स्थानीय समुदाय के साथ साझेदारी की गई। इन सब प्रयासों के चलते बाघ संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिली। बाघ प्रदेश बनने के कारणमध्यप्रदेश के बाघ प्रदेश बनने के चार मुख्य पहलू है। पहला गांवो का वैज्ञानिक विस्थापन। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांव को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए। दूसरा है ट्रांसलोकेशन। कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसलोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन आधार बढ़ा। तीसरा है हैबिटेट विकास। जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए जिससे शाकाहारी जानवरो की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। पन्ना टाईगर रिज़र्व में ड्रोन से सर्वेक्षण और निगरानी रखी गई। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल कर अवैध शिकार को पूरी तरह से रोका गया। क्राइम इन्वेस्टीगेशन और पेट्रोलिंग में तकनीकी का इस्तेमाल बढ़ाया गया। इसका सबसे अच्छा उदाहरण पन्ना टाइगर रिजर्व है जिसका अपना ड्रोन स्क्वाड है। हर महीने इसके संचालन की मासिक कार्ययोजना तैयार की जाती है। इससे वन्य जीवों की लोकेशन खोजने, उनके बचाव करने, जंगल की आग का स्रोत पता लगाने और उसके प्रभाव की तत्काल जानकारी जुटाने, संभावित मानव और पशु संघर्ष के खतरे को टालने, वन्य जीव संरक्षण कानून का पालन करने में मदद मिल रही है। वन्यजीव सुरक्षा के कारण तेंदुओं की संख्या में भी मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। देश में 12 हजार 852 तेंदुए हैं। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 4100 से ज्यादा है। देश में तेंदुओं की आबादी औसतन 60त्न बढ़ी है जबकि प्रदेश में यह 80त्न है। देश में तेंदुओं की संख्या का 25त्न अकेले मध्यप्रदेश में है। राष्ट्रीय उद्यानों का बेहतर प्रबंधन्वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले 13 देशों ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश में बाघों के प्रबंधन में निरंतरता एवं उत्तरोत्तर सुधार हुए। बाघों की संख्या में 33त्न की वृद्धि चक्रों के बीच अब तक की सबसे अधिक दर्ज की गई है जो 2006 से 2010 के बीच 21त्न और 2010 और 2014 के बीच 30त्न थी। बाघों की संख्या में वृद्धि, 2006 के बाद से बाघों की औसत वार्षिक वृद्धि दर के अनुरूप थी। मध्यप्रदेश में 526 बाघों की सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कर्नाटक में 524 बाघों की संख्या 442 बाघों के साथ उत्तराखंड तीसरे नंबर पर था। मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि वर्ष 2022 की समय-सीमा से काफी पहले यह उपलब्धि हासिल कर ली है। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उदयानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन की सहायता से 50 से अधिक गाँवों का विस्थापन किया जाकर बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दबाव से मुक्त कराया गया है। संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य-प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच, और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गाँवों को विस्थापित किया जा चुका है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का 90 प्रतिशत से अधिक कोर क्षेत्र भी जैविक दबाव से मुक्त हो चुका है। विस्थापन के बाद घास विशेषज्ञों की मदद लेकर स्थानीय प्रजातियों के घास के मैदान विकसित किये जा रहे हैं।

शराब और गुटखे नशे के विरुद्ध जन-अभियान.....

भारत डोगरा

हाल के समय में सामाजिक समस्याओं में वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि विभिन्न तरह के नशों में वृद्धि हो रही है। शराब और गुटखे में वृद्धि बहुत तेजी से हुई है। अनेक तरह के ड्रग्स का चलन भी तेजी से बढ़ा है। विभिन्न तरह के नशे क्यों बढ़े हैं, इस पर अनेक तरह के विचार मिलते हैं पर एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि शराब के विरुद्ध जो एक बड़ा माहौल हमारे समाज में था, इसमें बहुत गिरावट आई है। चाहे शराब का उपयोग कितने भी समय से हो रहा हो, पर कुछ दशक पहले तक इसे बहुत बुरा माना जाता था और नैतिक स्तर पर यह मान्यता बहुत मजबूत थी। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी इस नैतिक सोच को प्राप्त किया जाता था। पर धीरे-धीरे शराब के विरुद्ध इस सामाजिक मान्यता में कमी आने लगी और फिर बाद में तो यह प्रवृत्ति बहुत तेज हो गई। यह केवल समाज और अर्थव्यवस्था में आ रहे बदलावों के कारण नहीं हुआ अपितु योजनाबद्ध ढंग से भी इस माहौल को बदला गया। एक मिथक जो दुनिया भर में फैलाई गई कि कम मात्रा में शराब पीने से नुकसान नहीं है, जबकि वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि कम मात्रा में शराब पीने से भी कुछ हानि अवश्य होती है। फिर एक मिथक यह फैलाई गई कि वाईन या रेड वाईन से क्षति नहीं होती है। इस मिथक के फैलने से कितने ही लोगों ने नियमित रेड वाईन पीना आरंभ कर दिया जबकि बाद में स्पष्ट हो गया कि इस कारण उन्होंने अनेक गंभीर समस्याओं को आमंत्रित किया है। इसी तरह कभी सिगरेट तो कभी बीड़ी, सभी तंबाकू के विभिन्न रूपों तथा सभी गुटखे के दुष्परिणामों को कम करके बताया गया। एक अन्य मिथक फैलाया गया कि शराब की लत लग

जाने पर इसे छोड़ना लगभग असंभव है जबकि आंकड़े बताते हैं कि प्रति वर्ष लाखों लोग मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर भी शराब छोड़ते हैं। यदि समाज में एक निरंतरता से अभियान नशे के विरुद्ध चलाया जाए तो यह संभावना और बढ़ जाएगी। तरह-तरह के नशे करोड़ों लोगों का जीवन क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। सभी तरह के नशे के विरुद्ध समग्र अभियान की जरूरत है। वैसे तो सभी तरह के नशे बुरे हैं, पर सब से अधिक बरबादी शराब से हो रही है। इस बारे में विश्व स्तर के आंकड़े डराने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की शराब और स्वास्थ्य स्टेटस रिपोर्ट (2018) के अनुसार विश्व में 2016 में शराब से 30 लाख मौतें हुई। 2016 में शराब के कारण हुई मौतों में से 28.7 प्रतिशत चोटों के कारण हुई, 21.3 प्रतिशत पाचन रोगों के कारण हुई, 19 प्रतिशत हृदय रोगों के कारण हुई, 12.9 प्रतिशत संक्रामक रोगों से हुई और 12.6 प्रतिशत कैंसर से हुई। 20 से 29 आयु वर्ग में होने वाली मौतों में से 13.5 प्रतिशत शराब के कारण होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में शराब के कारण 2016 में 3700 मौतें हुई। इनमें से 187000 ऐसे व्यक्ति थे जो स्वयं गाड़ी नहीं चला रहे थे। शराब के कारण इस वर्ष 1500 आत्महत्याएं हुई और 900 मौतें आपसी हिंसा में हुई। कम समय में अधिक पी लेने से कोमा में आने और मृत्यु तक का परिणाम हो सकता है। इस रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि 200 तरह की बीमारियों और चोटों में शराब का हानिकारक उपयोग एक बड़ा कारण है। लिवर सिरहोसिस और अनेक तरह के कैंसर में शराब महत्त्वपूर्ण कारण है। पहले अधिक शराब पीने को ही मस्तिष्क की क्षति, याद रखने की क्षमता पर प्रतिकूल असर और डिमेनशिया से जोड़ा जाता था पर अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नये अनुसंधान (ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित) से पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम शराब पीने से भी मस्तिष्क की ऐसी क्षति होती है। यह तो सब जानते हैं कि शराब स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, पर शराब उद्योग यह मिथक फैलाने के लिए प्रयासरत रहा है कि थोड़ी सी शराब पीने से नुकसान नहीं होता। यह केवल मिथक ही है। सच्चाई हाल के अध्ययन में सामने आई है जो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लांसेट' में प्रकाशित हुआ। लगभग 500 विशेषज्ञों के समूह के मुख्य लेखक मैक्स ग्रिसवोल्ड ने इस अध्ययन के निष्कर्ष के बारे में बताया है, एल्कोहल की कोई ऐसी सुरक्षित मात्रा नहीं है (न्यूनतम मात्रा से भी नुकसान होता है)। आगे जैसे-जैसे एल्कोहल का प्रति दिन का उपयोग बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे स्वास्थ्य के खतरे भी बढ़ते जाते हैं। नशीली दवाओं, एल्कोहल और एडिक्टिव बिहेवियर के विकोष के अनुसार मौत होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में से 44 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका पाई गई है। दुर्घटना में मरने वाले 50 प्रतिशत तक मोटरसाइकिल चालकों के शराब के नशे में होने की संभावना पाई गई है। इस विकोष के अनुसार घर में होने वाली दुर्घटनाओं में 23 से 30 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका होती है। आग लगने और जलने से मौत होने की 46 प्रतिशत दुर्घटनाओं में एल्कोहल की भूमिका होती है। यदि शराब न पिए हुए व्यक्ति से तुलना करें तो शराब पीने के बाद किसी व्यक्ति में आत्महत्या का खतरा सात गुणा बढ़ जाता है और अधिक मात्रा में शराब पीने के बाद यह खतरा 37 गुणा बढ़ जाता है (बोज्रे का अध्ययन, 2017)। एल्कोहल उपयोग डिसऑर्डर के कारण अवसाद की संभावना कम से कम दोगुना बढ़ जाती है। कुछ वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट तैयार करवाई थी जिसे हिंसा और स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्ट का शीर्षक दिया गया था।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

भक्तामर महिमा प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

दिल्ली (विश्व परिवार)। आस्था की भूमि पर जब ज्ञान का बीज बोया जाता है तो चारित्र का वृक्ष उत्पन्न होता है। उस चारित्र रूपी वृक्ष पर तप फूल खिलते हैं। जिनसे त्याग की सुगंध उत्पन्न होती है जो पूरे साधक जीवन की महक प्रदान करती है। उरत तप के फूल पर ही सुख, शान्ति और आनंद के फल अति है ऐसी ही तप व्याग और साधना की प्रतिमूर्ति थे आचार्य श्री मानतेग स्वामी। वे कभी ग्रीष्म काल में पर्वत के शिखरों पर आतापन योग धारण करते है तो कभी वषर्षाकाल में किसी वृक्ष के मूल में वृक्षमूल तप की आराधना करते थे तो कभी शीतकाल में किसी नदी किनारे खुले आकाश में अम्रावकाश नाम की कठोर तपसाधना के माध्यम से अपने आत्माहित का पावन पुरुषार्थ किया करते थे। ऐसे महान संत जो इस भौतिक जग से अपरिचित निज आत्म ध्यान में लीन रहा करते थे, ऐसे महान साधक पर जब उपसर्ग हुआ तो उन्होंने श्री भक्तामर स्तोत्र के माध्यम से प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव की स्तुति की ओर उनकी वह भाव स्तुति महान अतिशय का कारण बनी। उस भक्तामर रचना के प्रभाव से 48 जेलो के ताले और शरीर पर बंधी हुई जंजीर क्षणभान में टूटकर नीचे गई। आचार्य श्री मानतंबा स्वामी भी यह अतिशय चमत्कारी भक्तामर रातोन पर परम पूज्य जिनागम पंथ प्रववेक, आदर्शमहाकवि भावलिंगी संत, श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज के मंगल सानिध्य एवं मधुर कण्ठ से श्री भक्तामर महिमा प्रशिक्षण शिविर का महामांगलिक आयोजन श्री दिगम्बर जैन समाज कृष्णा नगर में आज 30/07/2024 से प्रारंभ हो चुका है.ऐतिहासिक शुभारंभ श्री भक्तामर प्रशिक्षण शिविर का गुरु शुभाशीष पूर्वक भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ। परम पूज्य दिगम्बराचार्य ने कहा कि प्रतिदिन सभी शिविरार्थी को अपनी किट को लेकर आना होगा, किट में अध्ययन संबंधी, डायरी पेन, पुस्तक और विनय का प्रतीक टोपी होगी। प्रतिदिन पुरुष वर्ग सफेद वस्त्रों में और महिमा वर्ग केसरिया साड़ी में रहेंगे। प्रतिदिन गुरुमुख से अमृत देशना सुनने के लिये अपार भीड उपस्थित हो रही है प्रवचन स्थल कम हो रहा है भीड़ दिन ब दिन बढती जा रही है।

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ ने एक वर्ष के अंतर्गत किया 7 राज्यों के सीमा को पार-विचित्र बातें प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी महाराज

नांदणी (विश्व परिवार)। विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी ने कहा कि आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ ने एक वर्ष के अंतर्गत 7 राज्यों के सीमा को पार किया है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र 7 राज्यों में एक साल में विहार होकर आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज ससंघ नांदणी चौमासा के लिए मंगल प्रवेश हुआ।

संत ना देखा ऐसा ग्रंथ ना देखा- भीषण गर्मी में आप और हम अपने घरोसें बाहर नहीं निकलना चाहते हैं, वही धन्य है ये दिगंबर मुद्रा जो कोई भी मौसम हो, कोई भी परिस्थिती हो, अपने चर्या में लिन रहते है। दिगम्बर मुनी बनना आसन काम नहीं है।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी का विश्व रिकॉर्ड- गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (कर्म विपाक कृति केशर से लिखने पर), लंडन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (1201 काव्यों के 1100 पृष्ठिय वस्तुत्वमहाकाव्य पर), 3. यु. एस. ए. बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड (सर्वाधिक पंचकल्याणक हेतु), डी. लिट.-ब्रिटिश नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ क्यून मेरी अमेरिका द्वारा डाक टिकीट (डाक विभाग द्वारा प्रकाशित) सन 2021, 2024.

सर्वार्थ सागरजी महाराज बताते हैं की, कैसे संत है चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज- आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज ये एक ऐसे संत है जिनकी आध्यात्म की गेहराई से सत्यार्थ का बोध होता है। ये एक ऐसे संत है की जिनकी आगमयुक्त वाणी से एकांतवादीयों के मान का खंडन हो जात है। ये एक ऐसे संत है जिनकी मौन रुपी सत्र से महान से महान कार्य संचारीत हो जाते है। ये एक ऐसे संत है जिनके चरणो में शीतलता मिलती है। जिनकी एक मुस्कुराहट से सारी थकान मीट जाती है। ये वो संत है जिनकी एक छवी से सारे दु:ख दर्द मीट जाते है। ये ऐसे संत है जिनके रोम रोम में णमोकार मंत्र की मेहक है।

गुरू के उपकारोंको सदैव स्मरण करना है। बंधुओ क्या आपको पता हैं? आपके यहाँ भगवान महावीर स्वामी के प्रतिनिधी चलकर आए हैं। आपने भगवान महावीर स्वामीजी को तो नहीं देखा, किंतु ये दिगंबर मुद्रा भगवान महावीर स्वामी का दिग्दर्श कराती है। यह हम सबके श्रद्धा के केंद्र, आस्था के देवता और सम्यक पथ को बताने वाले, हमारे गुरू चर्याशिरोमणी आचार्य भगवन विशुद्धसागरजी महाराज हैं। यह हमेशा जिवन में याद रखना हैं। कहते हैं की हृदय का मैल जल से नहीं ; संतों के चरण रज से धुलता हैं।

गुरू की भक्ती करणे से क्या मिलता है यह विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागरजी ने बताया- गुरू के दर्शन से पाप नष्ट हो जाते हैं। गुरू के दर्शन से भ्रम नष्ट हो जाते हैं। गुरू के दर्शन से आत्मा को शांती मिलती हैं। गुरू के दर्शन से यशकीर्ती मिळती हैं। गुरू के दर्शन से पुण्य प्राप्त होता हैं। गुरू के दर्शन से अमंगल कार्य भी मंगल हो जात हैं। गुरू के दर्शन से स्वर्ग की प्राप्ती होती हैं। आचार्य विशुद्धसागर जी गुरुदेव संग मुनीराजोंको जानीए परम पूज्य सर्वार्थ सागरजी मुनीराज के मुखारविंद से- धरती के ऐसे देवता जो तन से विशुद्ध, मन से विशुद्ध, चर्या से विशुद्ध और चर्चा से विशुद्ध ऐसे वितराग आचार्य भगवन विशुद्ध सागरजी महाराज है। जो सुव्रत के धारी है, ऐसे ये मुनी सुव्रत सागर जी है। जिनकी देशना सुनकर के सारे प्रश्नोका समाधान हो जाता है वो अनुत्तर सागरजी मुनीराज है। जिनके अंदर नेक की नेक भरा है ऐसे ये प्रणेय है। जिनको देखकर के स्वत: सिद्धी हो जाती है ऐसे ये सर्वार्थ है। जिनकी मुद्रा देखकर के आप स्वयं देखे ये साम्य मुद्रा के धनी है। बंधूओ ये दृढ संकल्पी है, इन्होने दृढ संकल्प के साथ पुरे विश्व में जैनध्वज को फैराया है इसलिए ये संकल्प है। जिनकी युवा मुद्रा को देखकर के इनके चेहरे में सौम्यता झलकती है इसलिए ये सौम्य है। जिनके कंठ में सरस्वती विद्यमान है ऐसे ये सारस्वत है। बंधूओ जिन्होने कषाय भावों को जीत लिया है इसलिए ये संजयंत है। जो सदभावों का संदेश फैला रहे है ऐसे ये सद्भाव है। जिनकी यश चहूँ और फैल रही है ऐसे ये यशोधर है। जो निरंतर मुक्तीपथ के लिए यत्न कर रहे है ऐसे ये यत्न है। जो स्वयं निर्ग्रंथ मुद्रा में विराजमान है और जिन्होने 200 ग्रंथो से अधिक ग्रंथो का सृजन किया है ऐसे ये निर्ग्रंथ है। जिनके अंदर किंचित भी मोह नहीं है ऐसे ये निर्मोह है। जो शंका से रहित है ऐसे ये निशंक है। जिनके अंदर किंचित भी विकल्प नहीं है ऐसे ये निर्विकल्प है। जिन्होने इंद्रीयोंको जीत लिया है ऐसे ये जितेंद्र है। जो नमोस्तु शासन की ध्वजा को फैला रहे है ऐसे ये जयंत हैं। जीनका ज्ञान निर्मल हैं ऐसे ये सुभग है। जो सिद्ध की प्राप्ती के लिए पुरुषार्थ कर रहे है ऐसे ये सिद्ध है। जो स्वत: मंगलमयी है ऐसे ये सिद्धार्थ है। जो हमेशा मुस्कुराते रहते है ऐसे ये सहर्ष है। जो सत्यार्थ का बोध करा रहे है ऐसे ये सत्यार्थ है। बंधुओ जो सार्थक पर आधीत है ऐसे ये सार्थक है। जो सार्थ पथ के पथक है वो ऐसे सार्थ है। जिनका सम्यग्दर्शन पवित्र है ऐसे ये समकित है। जो सम्यक पथ पर चल रहे है और हम सब को सम्यक पथ पर चला रहे है ऐसे ये सम्यक है।

-अभिषेक अशोक पाटील

सकारात्मकता के साथ अपने जीवन पथ को आगे बढ़ाने वालों की प्रगति अंतिम स्वांस तक बनी रहती है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी

इंदौर (विश्व परिवार)। जन्म से लेकर मरण तक दौड़ता है आदमी, दौड़ते ही दौड़ते दम तोड़ता है आदमी। उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य शंका समाधान प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि पेड़ की जीवन यात्रा जिस दिन शुरु होती है, अंतिम श्वांस तक उसकी प्रगति होती है, इसी प्रकार सकारात्मकता के साथ अपने जीवन पथ को आगे बढ़ाने वालों की प्रगति अंतिम स्वांस तक बनी रहती है। मुनि श्री ने कहा कि परंपरावादी मत बनो प्रगति शील बनो जो व्यक्ति पैसा और पदार्थ के पीछे अपने जीवन की श्वांसों को खपा देता है उसे अंत में कुछ भी हांसिल नहीं होता उन्होंने कहा कि पद पैसा और प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण नही है यह कब खिसक जाऐगा आपको पता भी नहीं चलेगा उन्होंने कहा कि जब आसन खिसक जाता है तब इंसान को महसूस होता है और नाम के आगे भूतपूर्व लग जाता है, अपने जीवन का लक्ष्य बनाइये, जो पेड़ जितना ऊंचा जाता है उसकी जड़े उतनी ही गहरी होती है, कई बार पतझड़ आ जाता है, सूख जाता है लेकिन समय आने पर वह फिर हरा भरा हो जाता है, अपने जीवन को प्रगतिशील बनाये रखना चाहते हो तो पेड़ के समान अपनी जड़ों से अर्थात अपने धर्म से जुड़े रहिये, उन्होनें कहा कि आजकल लोग अपनी जड़ो से दूर होते चले जा रहे है, जिससे हमारी सांस्कृतिक निष्ठा कमजोर होती चली जा रही है मुनि श्री ने कहा जीवन जीने के लिये पैसा कमाओ पैसा कमाने के लिये जीवन मत जिओ उन्होंने सम्राट सिकंदर जिसने 27 वर्ष की उम्र में विश्व विजेता बनने का श्रैय हांसिल किया जब वह यूनान से लौट रहा था उसके शरीर की हालत बिगड़ कर नाजुक हो गयी तो उसने अपनी मां से मिलने की इच्छा प्रगट करते हुये हकीम से कहा कि मेरी मां के आने तक मुझे बचा लो जो मुझे बचाऐगा उसे आधा सामराज्य उसे दे दूंगा तो हाकिम ने कहा कि आप आधा क्या पूरा सामराज्य भी दे दो तो में यह ग्यारंटी नहीं ले सकता कि मां के आने तक तुम्हें वचाया जा सके तो सिकंदर ने कहा कि धिक्कार है मेरी ऐसी धन संपदा और सामराज्य! जिसके पीछे मेने अपने जीवन की सारी सांसें खपा दी जो मुझे जीवन के कुछ पल भी नहीं दे सकते उन्होंने काव्यात्मक शब्दों में कहा कि में जितना पांव पसारे की कोशिश करता हुं उतनी माटी और खिसकती जाती है, मेरे अधरों में घुला हलाहल है काला, नयनों में नंगी मौत खड़ी मुस्काती है, राम नाम ही सत्य है यही ध्वनि मेरे कानों से टकराती है। अंत में सम्राट सिकंदर ने भावना प्रकट की मेरे मरने के पश्चात मेरा जनाजा निकले उसमें मेरे दौनों हाथ बाहर निकाल दैना जिससे यह संदेश पूरी दुनिया को जाऐ कि विश्वविजेता बनने के पश्चात भी सिकंदर दौनों हाथ से खाली ही गया। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया प्रतिदिन प्रात: 6 से 7 बजे तक जैनम् शिक्षण शिविर का आयोजन पाठशाला प्रणेता मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज के सानिध्य में चल रही है जिसमें सभी लोग भाग ले सकते है, तत्पश्चात मुनिसंघ के सानिध्य में जिनाभिषेक एवं शांतिधारा तत्पश्चात 8:25 से मुनि श्री की देशना एवं दौपहर को 3 से चार बजे तक सभी के लिये गौम्मटसार जीवकांड तथा समयसार का स्वाध्याय चल रहा है तथा सांयकाल 6:20 से 7 बजे तक विश्वप्रसिद्ध शंकासमाधान कार्यक्रम संपन्न हो रहा है जिसे आप जिनवाणी एवं पारस चैनल तथा प्रमाणिक ऐप के माध्यम से भी सभी श्रद्धालु लाभ उठा सकते है। **-अविनाश जैन**

मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने कहा- विनयवान होना सज्जनता का प्रतीक है

आदिनाथ भवन में बुधवार को प्रात: 8:15 बजे होगी धर्म सभा

मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन में चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, उमड़े श्रद्धालु

जयपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 10 भव पहले मरुभूति भव में कमठ द्वारा मरुभूति का शिला पर पटक कर वध करने का प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इस मौके पर मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि विनयवान होना ही सज्जनता का प्रतीक है।

मुनि श्री ने बताया कि जिस तरह से विज्ञान में क्यों, कैसे के जवाब ढूंढे जाते हैं उसी तरह से धर्म के बारे में भी क्यों, कैसे के बारे में जानना चाहिए। मुनि श्री ने बताया कि दुर्जन व्यक्ति की संगति से बचना चाहिए। सरलता सरल लोगो के साथ बढती है। मुनि श्री ने दुर्जन की तुलना कफ रोग से करते हुए बताया कि जिस तरह कफ रोग में मीठा खाने से रोग में बढोत्तरी होती है वैसे ही दुर्जन व्यक्ति से मीठा बोलने से उसकी दुर्जनता बढती है। इस मौके पर मुनि श्री द्वारा श्रद्धालुओं को अर्हम ध्यान योग के अन्तर्गत अरिहंत परमेष्ठी का ध्यान करवाया गया।

इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया।

तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी दिनेश विनिता पापडीवाल परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं उन्हें शास्त्र भेट कर पुण्यार्जन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य शीतल चन्द जैन, आठ प्रतिमाधारी डी सी जैन, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार 31 जुलाई को प्रात: 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रात: 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। **-विनोद जैन**

वैराग्य मार्ग पर चलने वाली साध्वी माताजी को 80 साल के सांसारिक जीवन के धर्मभाई ने वस्त्र प्रदान किया

भिलाई (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन मंदिर वैशाली नगर में सोमवार को एक भावुक कर देने वाला क्षण आया जब 80 साल का बुजुर्ग भाई वैराग्य ले चुकी बहन के इंतजार में घंटे भर खड़ा रहा। वह संकल्प लेकर आया था कि चाहे बोली कितनी भी लगे लेकिन साध्वी माताजी (सांसारिक बहन) को वस्त्र वही प्रदान करेगा। उनको यह सौभाग्य भी मिला। श्रीसक्षममति माताजी समेत संघ की सभी साध्वी माताओं को उन्होंने वस्त्र प्रदान किया। साध्वी माताएं सूती की सफेद वस्त्र धारण करती है, जिसमें कहीं से भी सिलाई नहीं की गई होती। खंडेलवाल जैन भवन में सोमवार को वर्षा योग 2024 कलश स्थापना समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वी माताओं को वस्त्र देने के लिए बोली लगाई गई। वहां 80 वर्षीय मदनलाल श्री श्रीमाल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अधिकतम जो बोली लगेगी उसे वह देंगे और वस्त्र देने का सौभाग्य उन्हें मिलना चाहिए। वस्त्र देने के लिए 1 लाख 41 हजार की बोली लगी। जिसे मदनलाल ने दिया और साध्वी माताओं को वस्त्र देने का सौभाग्य प्राप्त किया।

60 साल से राखी बांध रही थी : श्री सक्षममति माताजी का सांसारिक नाम निर्मला लक्ष्मीनारायण बोहरा था। सांसारिक जीवन में वे समाजसेवी सुनीता संजय बोहरा की माता थी। वे दिगंबर समाज से हैं और मदनलाल श्रीश्रीमाल श्वेतांबरी हैं। सांसारिक जीवन में मदनलाल उनका सगे भाई तो नहीं पर सगे भाई से कम भी नहीं थे। निर्मला बोहरा अपने इस धर्मभाई को करीब 60 साल से रक्षा बंधन पर राखी बांधती आ रहीं थी। रक्षा बंधन में भाई के तौर पर वे उपहार देते थे। अब चूंकि बहन वैराग्य पथ पर चल रहीं है तो उन्होंने वस्त्र देने के लिए इस शुभ अवसर को चुना।

जैन मिलन महिला रायपुर द्वारा नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन, 35 मरीजों ने फिर से पाई नेत्र ज्योति

रायपुर (विश्व परिवार)। बढ़ती उम्र, किसी बीमारी या किसी वजह से इस सुनहरी दुनिया को फिर से देख पाने में अक्षम हो चुके लोगों के लिए जैन मिलन महिला, रायपुर एक मसीहा बनकर सामने आई। ग्रामीण परिक्षेत्र के लोग सहित ऐसे लोग जो निम्न आर्थिक परिस्थिति के कारण आंखों की तकलीफ से गुज़र रहे थे, किंतु अपना इलाज करवाने में असमर्थ थे। ऐसे 35 मरीजों के लिए मददगार बनकर सामने आईं जैन मिलन महिला, रायपुर की टीम ने सोमवार को नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन करवाकर उन्होंने फिर से नेत्र ज्योति प्रदान करने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

जैन मिलन महिला, रायपुर द्वारा शहर स्थित एसजीवी आई हॉस्पिटल फाउंडेशन के माध्यम से मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉक्टर जगदीश कुमार नागोथ, डॉ. रूचि राठी, एल्विन दयाल व मेडिकल, टेक्निकल टीम सहित फाउंडेशन के शैलेंद्र कुमार संघी, अरूण सिंग, जीमल अख्तर द्वारा रायपुर सहित बलोदाबाजार के ग्रामीण अंचलों के मरीज का निशुल्क ऑपरेशन किया गया, जिसमें संपूर्ण आर्थिक सहयोग जैन मिलन महिला संगठन द्वारा किया गया। ऑपरेशन पश्चात् मरीजों को भोजन भी महिला संगठन द्वारा कराया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मंजुला जैन ने कहा कि महिलाओं ने अबला की अवधारणा को बहुत पीछे छोड़ दिया है, वह अब सबला है, सशक्त है और वह दूसरों के जीवन को रोशन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। उन्होंने स्वयं नेत्रदान करने का संकल्प पत्र दिखाया और दूसरों को प्रेरणा दी। इस अवसर पर जैन मिलन महिला रायपुर की अध्यक्ष बर्षा जैन सिंघई ने कहा कि दूसरों के जीवन को उन्नत बनाने और मानवधर्म को निभाने के लिए संगठन द्वारा निरंतर प्रयत्न किए जा रहे हैं और आगे भी इसे जारी रखेंगे। इस मौके पर वंदना जैन, श्रृद्धा जैन, सरिता जैन, लता जैन, पारूल जैन, शालू जैन, रूचि जैन, रेशू जैन, राखी जैन, ज्योति जैन, संगीता जैन, सोनम जैन, प्रीति जैन, दीपाली जैन, शिवानी जैन, डॉली जैन, सपना जैन, प्राची जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु प्रावीण्य सूची जारी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। समाज कल्याण विभाग के द्वारा 'क्षितिज-अपार संभावनाएं' के अंतर्गत जिले के दिव्यांग मेघावी छात्र-छात्राओं को माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वर्ष 2023-24 के तहत सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु एकीकृत प्रावीण्य सूची प्राप्त कर तैयार किया गया है। जिसका प्रकाशन कार्यालय जिला पंचायत जिला बस्तर के सूचना पटल पर किया गया है।

उक्त प्रावीण्य सूची के संबंध में किसी भी दिव्यांग छात्र-छात्राओं को दावा-आपत्ति हो तो वे 12 अगस्त 2024 को दोपहर 3 बजे तक कार्यालयीन दिवस एवं समय में कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण जगदलपुर जिला बस्तर में पंजीकृत डाक द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति का विचार नहीं किया जाएगा।

आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 : हर एक शब्द सोच-समझकर बोले, ध्यान दें कि किसी को आपकी बातें बुरी न लगे : श्री विरागमुनि जी

रायपुर (विश्व परिवार)। दादाबाड़ी में आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 के प्रवचन श्रृंखला में मंगलवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनि जी ने कहा कि हर एक बात हमें सोच समझ कर बोलना है क्योंकि ना जाने कब कौन सा शब्द किसे दुख पहुंचा सकते हैं यह आपको भी नहीं पता। अगर किसी को आपकी बातों से बुरा लगता है तो उसका प्रायश्चित भी आपको करना होगा। आप भले ही मोक्ष के राह पर चल रहे हो लेकिन आपके कर्मों का हिसाब तो आपको चुकाना ही पड़ेगा आपको अपना अकाउंट क्लियर ही करना पड़ेगा। केवल शब्दों से ही नहीं हम अपनी दिनचर्या से न जाने कितने निर्दोषों की हत्या कर देते हैं। आपसे टकराने वाली हवा भी आपके शरीर के आसपास करते ही अपना दम तोड़ देती है वैसे ही पानी की बूंद आप पर पड़े तो शरीर ही गर्माहट से उसकी हत्या हो रही है। आज हम एक टीवी, कूलर, फ्रिज, वाशिंग मशीन जैसे बहुत सी सुख-सुविधा की मशीनों का उपयोग करते हैं और इसे कई जीवों की हत्या हो जाती है, जो हम आज जानबूझकर कर रहे हैं और हम भी आगे इससे बच नहीं पाएंगे।

मुनिश्री कहते हैं कि ज्ञान वही जो आचरण में आ जाए। मोक्ष प्राप्त करने के लिए आज हमें जो करना है इसी भव में करना है। वहीं, आज हम सोचते हैं कि पहले परिवार पाल लेते हैं, पहले व्यापार कर लेते हैं फिर धर्म करेंगे, मोक्ष की राह पर बाद में चलेंगे। क्या कभी आपने ऐसा सोचा है कि आज धर्म कर लेते हैं और कल व्यापार कर लेंगे, नहीं ना तो फिर आपका कल्याण कहां से होगा।

मुनिश्री ने आगे कहा कि आपके अंदर अध्यात्म जाएगा तो संस्कार भी आ जाएगा। आज लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए किसी की भी झूठी तारीफ करने को तैयार हो जाते हैं। मन में, सीने में किसी के लिए सम्मान हो या नहीं लेकिन मुंह से झूठी तारीफ हम जरूर कर रहे हैं। मीठी-मीठी बातें कर सामने वाले व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित कर अपना काम निकल रहे हैं। आज पैसा कमाने के लिए व्यक्ति किसी भी हद को पार करने के लिए तैयार है। जबकि आज हमें पैसे कमाने के बदले हर क्षण को प्रभावशाली बनाना है ताकि हमें पैसों की आवश्यकता ना पड़े। हमें खुद का परीक्षण करने और अपने आप को पहचानना है कि हम क्या कर सकते हैं केवल पैसे ही कमाना लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

आत्मस्पर्शी चातुर्मास समिति 2024 के अध्यक्ष पारस पारख और महासचिव नरेश बुरड़ ने बताया कि मंगलवार को सुबह 11 बजे दादाबाड़ी में उत्तर पारणा हुई और बुधवार को गणाधीश पन्यास प्रवर श्री विनयकुशल मुनिजी गणि महाराजा आदि साधु साध्वी ठाना की पावन निश्रा में सिद्धि तप प्रारंभ होगा, जिसमें सौ से अधिक तपस्वी उपवास करेंगे। वहीं, पारणे की व्यवस्था श्रीसंघ द्वारा की जाएगी। आत्मस्पर्शी चातुर्मास समिति 2024 के प्रचार प्रसार संयोजक तरुण कोचर और निलेश गोलछा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि दादाबाड़ी में प्रतिदिन सुबह 8.45 से 9.45 बजे मुनिश्री की प्रवचन श्रृंखला जारी है, आप सभी धर्म बंधुओं से निवेदन है कि जिनवाणी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 31 जुलाई 2024

संक्षिप्त समाचार

एटीएम मशीन तोड़ने का प्रयास कर रहा युवक पकड़ाया

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले के सोमनी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम को तोडने का प्रयास कर रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक पल्सर बाईक से ग्राग सालई, कुही, नागपुर (महाराष्ट्र) से पहुंचा था। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 28-29 जुलाई की दरमियानी रात को करीबन 2.45 बजे सोमनी पुलिस को पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि ग्राम सोमनी में लगे बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम में एक अज्ञात व्यक्ति चोरी के नियत से शटर का ताला तोड़कर एटीएम अंदर घुसकर चोरी का प्रयास कर रहा है। सूचना पर तत्काल सोमनी पुलिस की टीम तत्परता दिखातें हुए मौके पर पहुंची और शटर का ताला टुटा देख कर शटर बाहर से बंद कर दिया गया। जिससे आरोपी अंदर ही कैद हो गया और पकड़ा गया। आरोपी से पूछताछ के दौरान अपना नाम स्वपनिल मंगर पिता जर्नादन मंगर उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम सालई, कुही, ओपी पाचगांव नागपुर (महाराष्ट्र) का रहने वाला बताया। पुछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह बैल दौड़ में करीबन 20 लाख रूपये हार गया था जिससे परेशान होकर कोई बड़ी चोरी कर पैसा कमाने के लिए एटीएम से पैसा चोरी करने की सोचा और अकेले ही घटना को अंजाम देने का प्रयास किया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी स्वपनिल मंगर को मौके पर पकड़कर उसके कब्जे से लोहा कटर मशीन, वायर कटर, पेचकश व पाना पेंचिस तथा प्लास जप्त किया गया।

सीईओ जिला पंचायत ने ली समय सीमा की बैठक

धमतरी(विश्व परिवार)।कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर आज सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने जिले की चयनित 12 कमार मॉडल बसाहटों में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन बिन्दुओं में आशातीत प्रगति नहीं आई है, उन बिन्दुओं में वांछित प्रगति लाई जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने जिले में डायरिया, मलेरिया, डेंगू आदि मौसमी बीमारियों के मरीजों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों के मरीज मिल रहे हैं, वहां पानी की जांच की जाए। साथ ही आसपास के स्वास्थ्य केन्द्र में इनकी दवाईयां पर्याप्त मात्रा में रखने कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री जी.आर.मरकाम, संयुक्त कलेक्टर श्री रामकुमार कृपाल सहित जिला स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने खाद-बीज की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि मांग के अनुरूप किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को निर्देशित किया कि वे नियमित तौर पर खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच करें और साफ-सफाई बनाए रखने की समझाईश दें। सीईओ ने बैठक में आश्रम-छात्रावासों में साफ-सफाई, पेयजल इत्यादि की व्यवस्था दुरूस्त रखने के साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त भोजन प्रदाय करने के निर्देश दिए।

छुईखदान शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। छुईखदान सावन माह द्वितीय सोमवार 29 जुलाई 2024 को शहर के सभी शिवालयों में बड़ी संख्या में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना विधि-विधान से की गई । भक्तों द्वारा भगवान भोलेशंकर का जलाभिषेक , दुग्धाभिषेक , बेलपत्र , कनेर , फुड्हर धतूरा पुष्प श्रीफ्ल आदि भेंट कर कपूर दीप से आरती किये है । रानी मंदिर समिति छुईखदान के संरक्षक लतारानी लाल जे के वैष्णव ने जानकारी दी कि सावन माह में महिला रामायण मंडली बाईसाहब मंदिर एवं बजरंग रामायण मंडली जस समिति छुईखदान द्वारा सभी मंदिरों में जाकर भजन कीर्तन किया जाता है । शिवालयों सहित शहर में ऊं नम: शिवाय , हर हर महादेव की भक्ति भाव से गूंजित रहा। भक्त जनों द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा , महामृत्युंजय मंत्र जाप , श्री शिव चालीसा पाठ एवं शिव तांडव स्तोत्र पाठ किया जाता है ।

जनदर्शन में मिले 99 आवेदन

धमतरी(विश्व परिवार)। शासन की मंशानुरूप आमजनों की समस्या, शिकायत और मांगों के त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टोरेट में जनदर्शन का आयोजन हर सोमवार को किया जाता है। आज आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री जी.आर.मरकाम ने जिले के वनांचल एवं दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्या, शिकायत और मांगों को गंभीरता से सुना और उन पर कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आज आयोजित जनदर्शन में प्रमुख रूप से भूमि आबंटिन कराने, मनरेगा कार्य की मजदूरी दिलाने, आवास स्वीकृत करने, अवैध कब्जा हटाने, पेंशन योजना का लाभ दिलाने संबंधी कुल 99 आवेदन प्राप्त हुए।

नगरीय निकायों में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शुरू

कलेक्टर ने किया अवलोकन

कोंडागांव(विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले के तीनों नगरीय निकायों में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सोमवार को कोंडागांव में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर का अवलोकन किया और यहां आवेदन देने पहुंचे नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने आवेदनों के त्वरित निराकरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। शनिवार को कोंडागांव नगर पालिका के महात्मा गांधी वार्ड, सुभाषचंद्र बोस वार्ड और श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के नागरिकों के लिए कलेक्टोरेट कार्यालय के समक्ष दुर्गाबाड़ी में, फरसगांव नगर पंचायत में वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 5 तक के लिए अस्पताल मंच और केशकाल नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 1, 2 और 15 के लिए मंगल भवन हर्रापड़ाव में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कोंडागांव नगर पालिका में कुल 36 आवेदन, फरसगांव नगर पंचायत में 4 और केशकाल नगर पंचायत में 11 आवेदन प्राप्त हुए। जनसमस्या निवारण पखवाडा के अंतर्गत स्थानीय नागरिक नल कनेक्शन, राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण स्वरोजगार से संबंधित समस्याओं के प्रकरण का निराकरण करा सकते है, साथ ही नल लीकेज, नलों में पानी न आना, नालियों व गलियों की साफ सफाई, सार्वजनिक नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, कचरे की सफाई व परिवहन, टूटी फुटी नालियों का मरम्मत, सडको के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाईट के मरकरी बल्ब ट्यूब का बंद रहना आदि सारी समस्याओं का निराकरण मौके पर ही शीघ्रता से हो सकेगा। शिविर में कर दाताओं को करों का भुगतान वार्ड में करने की सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये गये हैं। जनसमस्या निवारण पखवाड़ा अंतर्गत कोंडागांव नगर पालिका में डोंगरीपारा वार्ड एवं जामकोटपारा वार्ड हेतु जामकोटपारा सामुदायिक मंच में 30 जुलाई को, शीतलापारा वार्ड, विकासनगर वार्ड एवं बाजार पारा वार्ड के लिए सामुदायिक भवन विकास नगर में 31 जुलाई को, तहसीलपारा वार्ड, पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड और डीएनके वार्ड के लिए कालीबाड़ी मंदिर परिसर में 01 अगस्त को, भेलवांपदर वार्ड, बंधापारा वार्ड के लिए शहीद गुंडाधूर महाविद्यालय में 02 अगस्त को, फारेस्ट कालोनी वार्ड हेतु आलबेड़ा पारा आंगनबाड़ी भवन में 5 अगस्त को, शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड हेतु स्कूल के पास सांस्कृतिक मंच में 06 अगस्त को, सरगीपाल वार्ड, शहीद भगत सिंह वार्ड और अंबेडकर वार्ड हेतु नहरपारा सांस्कृतिक मंच में 07 अगस्त को, अस्पताल वार्ड, स्वामी विवेकानंद वार्ड हेतु 08 अगस्त को दुर्गा मंच में और मरारपारा व महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड हेतु 09 अगस्त को पुराना बड़ झाड़ में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान से मलेरिया के प्रकरणों में चार वर्षों में आई 38 फीसदी कमी

कोंडागांव(विश्व परिवार)। मलेरिया मुक्त छत्तीगढ़ अभियान का जिले में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और मलेरिया प्रकरणों मं चार वर्षों में लगभग 38 फीसदी कमी आई है। इसके साथ ही मलेरिया सकारात्मक दर 2.32 प्रतिशत से घटकर 0.82 प्रतिशत हो गया है। वहीं वर्ष 2020 से वार्षिक परजीवी सूचकांक 4.36 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 2.78 प्रतिशत हो गया है। वर्तमान वर्ष 2024 में जिले का वार्षिक परजीवी सूचकांक 1.07 प्रतिशत है। घने जंगल से आच्छादित इस जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मलेरिया के प्रकरणों के बढ़ने की संभावना रहती है। लोगों को मलेरिया से बचाने एवं मलेरिया प्रकरण नियंत्रित करने के लिए कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया रोकने के लिए सक्रियता से अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के बसाहटों में पहुंच रही है। घने जंगलों एवं नदी-नालों को पारकर स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन की टीम गांवो में घर-घर पहुंचकर लोगो को मलेरियारोधी दवाइयों के साथ उपचार कर रही है। साथ ही लोगो को मलेरिया से बचाव के लिए किए जाने वाले आवश्यक उपाय के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करते हुए मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रयास कर रही है। मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए जिले के समस्त आवसीय छात्रावास, आश्रम, कीडा परिसर, स्कूल एवं उन ग्रामों पर जहां पर मलेरिया के अधिक प्रकरण मिले थे, समस्त जनसमुदाय का रक्त जांच कर मलेरिया से संक्रमित पाये गये मरीजों का पूर्ण उपचार किया जा रहा है। सभी विकासखण्ड को निर्देशित किया गया है कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज का मलेरिया हेतु रक्त जांच आरडी कीट के माध्यम से किया जाना है। जागरूकता के लिये ग्रामीणों को घरों के आस-पास गड्ढों में पानी जमा न होने दें, बुखार आने पर झाड-फूंक कराने के बजाय तत्काल मितानिन या नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंच कर खून की जांच कराने की सलाह दी जा रही है। गांव के दिवारों पर मलेरिया एवं डायरिया के बचाव संबंधित नारे लिखकर जागरूकता प्रसार-प्रचार किया जा रहा है। वर्ष 2020 से जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान चलाया जा रहा है। जिससे मलेरिया के प्रकरण में कमी आई है। दसवें चरण में संचालित मलेरिया मुक्त अभियान के तहत अब तक जिले के 82 फीसदी लोगों की मलेरिया जांच की गई है। 1 लाख 58 हजार से अधिक लोगों की जांच के उपरांत अब तक कुल 82 मलेरिया के प्रकरण पाए गए हैं।

एक पेड़ माँ के नाम स्वेच्छा से दान किये ट्री गार्ड

सूरजपुर(विश्व परिवार)। शिक्षा सप्ताह के छठवें दिन शासकीय बालक माध्यमिक शाला रामानुजनगर में एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। जिसमें क्लब प्रभारी शिक्षक बिहारी लाल साहू के द्वारा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों से मिलकर उनसे सहयोग की बात की जिससे उन्हें विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण हेतु पांच ट्री गार्ड प्राप्त हुआ। एक ओर जहां मानसिकता रहती है कि शासकीय विद्यालयों में किसी प्रकार का कोई सहयोग नही करता इस मानसिकता से परे प्रभारी शिक्षक बिहारी लाल साहू ने जन सहयोग की अपेक्षा लेकर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की और सभी से सहयोग की मांग की। आज एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के दिन आयुष हार्डवेयर के संचालक सतीश कुमार गुप्ता अपनी माता शिरोमणी गुप्ता, सोनी इलेक्ट्रॉनिक व बोरवेल के संचालक संतोष सोनी अपनी माता गुंजा देवी सोनी, रोहित इलेक्ट्रॉनिक व बोरवेल के संचालक सुभाष शर्मा अपनी माता श्रीमती ज्ञानो देवी, शिक्षक प्रकाश कुमार जोल्हे अपनी माता धान देवी और शिक्षक बिहारी लाल साहू अपनी माता श्रीमती मोती मनी के नाम पर एक एक फलदार व फूलदार पौधे का रोपण विद्यालय परिसर में किया। विदित हो कि विद्यालय परिसर बाउंड्री विहीन होने के कारण पशुओं से बचा पाना मुश्किल है ऐसे में सिर्फ पौधा रोपण कर देना एक पौधे की जान लेना होगा इसलिए ट्री गार्ड में इन पौधों की सुरक्षा होगी साथ ही इनका देख रेख भी किया जाएगा।

बैंकर्स प्रशिक्षण में स्व सहायता समूहों को मिली बैंकिंग प्रक्रिया की जानकारी

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन 26 जुलाई को जिला पंचायत कोण्डागांव के सभा कक्ष में आयोजन किया गया। इसमें जी. बी. भुर्इया, जितेन्द्र यादव नेशनल रिसोर्स पर्सन, गोकुल कुमार साहु, मैनेजर राज्य कार्यालय मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें जिले के समस्त बैंक शाखा प्रबंधक एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' जिला मिशन प्रबंधक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एफ.आई., टीएसए मैनेजर, समस्त जनपद पंचायतों के विकासखण्ड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वय, बैंक सखी, एफ.एल.सी.आर.पी. उक्त प्रषिक्षण सह कार्यशाला में उपस्थित हुए थे। इस कार्यशाला में स्व सहायता समूह को लोन प्रदान करने की प्रक्रिया एवं ऑन लाईन लोन एप्लीकेशन, समुदायिक आधारित ऋण वापसी तंत्र (सीबीआरएम) समिति गठन प्रक्रिया एवं कार्य आर.एफ., सी.आई.एफ., बैंक लिकेज, बीमा, पेंषन, मुद्रा लोन, समूहों का दोहरी प्रमाणीकरण, बीसी सखी के संबंध समस्त जानकारी दी गई। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उद्देश्य एवं आवश्यकता के बारे में बैंक मैंनेजर के साथ विस्तार से चर्चा की गई। बीसी के माध्यम से डिजिटल लेनदेन की ग्रामीण स्तर पर घर पहुंच सेवा प्रदाय करने एवं अच्छे से कार्य करने हेतु प्रेरित करते बैंक से जुड़ी समस्त जानकारी दी गई।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर हेपेटाइटिस बीमारी के संबंध में जनसामान्य को किया गया जागरूक

खान-पान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर शासकीय आयुष पॉलीक्लीनिक चिखली में हेपेटाइटिस बीमारी के संबध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉ. शिल्पा पाण्डेय ने बताया कि हेपेटाइटिस बी संक्रमित ब्लड, सुई, असुरक्षित यौन सम्बन्ध, दूसरे की संक्रमित शेविंग किट, टैटू बनवाने, गर्भवती माता से उसके बच्चे को हो सकता है। हेपेटाइटिस बी में वायरस के कारण लिवर में संक्रमण हो जाता है। लापरवाही करने पर लिवर खराब होने और लिवर कैंसर होने का भी खतरा रहता है। उन्होंने हेपेटाईटिस बी टीका के संबंध में जानकारी देकर लोगों को टीका लगाने के लिए प्रेरित किया। हेपेटाइटिस सी भी संक्रमित रक्त के माध्यम से हो सकता है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त ब्लड डोनेशन के पूर्व हेपेटाइटिस बी व सी का जांच अवश्य कराएं। आयुर्वेद चिकित्साधिकारी आयुष पॉलीक्लिनिक डॉ. प्रज्ञा सक्सेना ने बताया कि हेपेटाइटिस लिवर से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है और इसके कारण कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है। हेपेटाइटिस आमतौर पर वायरल इंफेक्शन के कारण होने वाली समस्या है। इसके अलावा अत्यधिक अल्कोहल लेने की आदत, कुछ दवाएं जिनका अधिक प्रयोग, अत्यधिक तेल व मसाले वाला भोजन और किसी विशेष तरह की मेडिकल कंडीशन के कारण भी हेपेटाइटिस की समस्या हो सकती है। इस बीमारी के कई वेरिएन्ट्स हैं। जिनमें ए, बी, सी, डी और ई इनमें हेपेटाइटिस बी एवं सी को खतरनाक माना जाता है। हेपेटाइटिस ए में वायरस का संक्रमण दूषित भोजन व पानी से होता है। हेपेटाइटिस के लक्षणों में बुखार, उल्टी, भूख नहीं लगना वजन कम होना, पेट में दर्द एवं आँखों व त्वचा के सफेद भाग का पीला होना, पेशाब में पीलापन होता है। इससे बचने के लिए दूषित एवं ज्यादा तेल-मसाले वाले खानपान से बचें एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

ब्लू इयर्ड किंगफिशर का इंद्रावती टाइगर रिजर्व में दुर्लभ दर्शन

जगदलपुर(विश्व परिवार)। म्यांमार से वेस्टर्न घाट तक पाया जाने वाला दुर्लभ ब्लू इयर्ड किंगफिशर बस्तर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व में देखा गया है। यह इलाका इस पक्षी का अस्थायी ठिकाना होता है। बर्ड एक्सपर्ट सूरज नायर ने इस अनोखे पक्षी को कैमरे में कैद किया है, जो राज्य में पहली बार हुआ है। सूरज नायर ने बताया कि 2018 में पहली बार इंद्रावती टाइगर रिजर्व में इस पक्षी को देखा गया था, लेकिन तब इसे कैमरे में कैद नहीं किया जा सका था। इस वर्ष 2024 में इस पक्षी का फिर से आगमन हुआ, और इस बार इसे कैमरे में सफलतापूर्वक कैद कर लिया गया। इस उपलब्धि के लिए सूरज को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। यह छोटा, गहरे नीले रंग का किंगफिशर पक्षी अपनी विशेषताओं के कारण पहचाना जाता है। इसके कान के पास रूफस नहीं होता है,

आंख के सामने नारंगी धब्बा होता है और गर्दन के किनारों पर सफेद कान के गुच्छे होते हैं। इसके सिर और गर्दन पर गहरे नीले रंग की पट्टियां होती हैं, जो इसे पपड़ीदार रूप देती हैं। इसके ऊपरी हिस्से में चमकदार गहरा नीला रंग होता है और पीछे की तरफ हल्के नीले रंग का केंद्रीय बैंड होता है। इसके निचले हिस्से का रंग गहरा नारंगी होता है। नर की चोंच भूरे-लाल आधार के साथ काली होती है, जबकि मादा की चोंच लगभग पूरी तरह लाल होती है। ब्लू इयर्ड किंगफिशर को इंद्रावती टाइगर रिजर्व के मद्देड़ बफर के मिन्नूर गांव में 18.771, 80.477 जीपीएस लोकेटर पर देखा गया है। यह प्रजाति आमतौर पर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय नम तराई के जंगलों, मैंग्रोव जंगलों, आर्द्रभूमियों, नदियों, नालों और खाड़ियों में पाई जाती है। ये पक्षी 0 से 1000 मीटर की ऊंचाई पर पाए जाते हैं। यह पक्षी भारत, चीन, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, मलेशिया, सिंगापुर, ब्रुनेई, इंडोनेशिया और फिलीपींस में विचरण करता है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर के उप निदेशक संदीप बलगा ने बताया कि म्यांमार का ब्लू इयर्ड किंगफिशर पक्षी रिजर्व में कैसे आया, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने पक्षी विशेषज्ञ को निर्देश दिया है कि इस पक्षी की उत्पत्ति और गंतव्य के बारे में जानकारी प्राप्त करें। इस दुर्लभ पक्षी के दर्शन और उसके कैमरे में कैद होने से वन्यजीव प्रेमियों और वैज्ञानिकों के बीच उत्साह है।

राजभाषा कार्यशाला का किया गया आयोजन

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल कोरबा अंतर्गत बीईटीआई कोरबा में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता एच. के. पासवान, प्राचार्य, ज्योति भूषण प्रताप सिंह लॉ कॉलेज, के. पी. सिह, वरि. प्रबंधक (कार्मिक), एसईसीएल कोरबा एवं विनोद सिह, प्रबंधक (कार्मिक) कोरबा क्षेत्र का स्वागत पुष्प गुच्छ व शाल श्रीफ्ल से डी.डी.मुखर्जी, प्राचार्य, बीईटीआई, कोरबा क्षेत्र के द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता श्री पासवान के द्वारा राजभाषा निति एवं हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष विषय पर व्याख्यान देते हुए हिन्दी के महत्ता पर ध्यान आकृष्ट किया/ श्री सिंह के द्वारा हिन्दी में पत्र लेखन, टिप्पणी आलेखन एवं कार्यलयीन कार्य को हिन्दी भाषा में कैसे सुगम बनाये जाने की विस्तृत चर्चा परिचर्चा हुई । कार्यशाला में मंच संचालन भुवनेश्वर कश्यप व कार्यक्रम का संयोजन अश्विनी शुक्ला, नोडल अधिकारी (राजभाषा), कोरबा क्षेत्र द्वारा किया गया। सूर्यकांत के द्वारा कार्यलयीन कार्य को हिन्दी में करने, बढ़ावा देने के लिये सभी से आग्रह किया। श्री मुखर्जी के द्वारा विगत तीन वर्षो से हिन्दी में विशिष्ट कार्य हेतु एसईसीएल में प्रथम पुरुस्कार पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया गया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 31 जुलाई 2024

व्यापार समाचार

भारत के सात तटवर्ती राज्यों में 34,000 से अधिक लोगों को सशक्तै बनाने वाली 'मैजिकल मैंग्रोव मुहिम'

नईदिल्ली। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का संगठन गोदरेज एंड बॉयस एयरोस्पेस और कंज्यूमर डयूरेबल्सस से लेकर एनर्जी एवं स्थागयी निर्माण समाधानों के उपभोक्ता और औद्योगिक कारोबार में शामिल है। संगठन ने मैंग्रोव ईकोसिस्ट म के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर डब्ल्यूडब्ल्यूएफईंडिया के साथ मिलकर अपने मैजिकल मैंग्रोव मुहिम के पांचवें फेज की घोषणा की है। 2020 में शुरू की गई इस पहल में 190 वालंटियर ने भाग लिया है और इसने 460 से अधिक वेबिनार, ऑन-ग्राउंड पहल और सोशल मीडिया मुहिमों के जरिये 7 राज्यों में 34,630 लोगों को सशक्त बनाया है। यह पहल पर्यावरण की सुरक्षा एवं बॉयोडाइवर्सिटी संरक्षण के प्रति गोदरेज एंड बॉयस की कटिबद्धता को दिखाती है। संगठन 30 से अधिक वर्षों से मुंबई में विक्रोली और ठाणे क्रीक तटरेखा के आसपास स्थित सैकड़ों एकड़ मैंग्रोव का संरक्षण कर रहा है। मैजिकल मैंग्रोव मुहिम ने मैंग्रोव ईकोसिस्टएम के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वसपूर्ण भूमिका निभाई है।

हिंदुस्तान जिंक ने एशिया का पहला लो कार्बन 'ग्रीन' जिंक इकोजेन किया लॉन्च

मुंबई। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपना लो कार्बन ग्रीन जिंक ब्रांड इकोजेन लॉन्च किया। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के अनुसार विश्व की सबसे सस्टेनेबल धातु और खनन कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त यह कंपनी एशिया की पहली जिंक उत्पादक है जिसने दुनिया भर में अपने ग्राहकों के लिए अपनी तरह का पहला लो कार्बन ग्रीन जिंक ऑफर किया है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैश्विक स्थिरता परामर्श फर्म द्वारा जीवन चक्र मूल्यांकन, एलसीए के माध्यम से लो-कार्बन जिंक के रूप में प्रमाणित किया गया है और इसका कार्बन फुटप्रिंट प्रति टन उत्पादित जिंक पर एक टन से भी कम कार्बन समतुल्य है, जो वैश्विक औसत से 75 प्रतिशत कम है। जिंक का प्राथमिक अनुप्रयोग स्टील को जंग से बचाने के लिए गैल्वनाइजेशन के लिए है स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव और सनराइज सेक्टर जैसे अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाई-टेक विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इकोजेन हिंदुस्तान जिंक की अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने के साथ-साथ अपने ग्राहकों को एक बेजोड़ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि बदले में अपने ग्राहकों को अधिक सस्टेनेबल विकल्प प्रदान किए जा सकें।

भारत में Galaxy AI पावर्ड Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 को शानदार रिस्पॉन्स मिला

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज घोषणा की कि जो ग्राहक भारत में Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 के लिए प्री-बुकिंग कर चुके हैं, उन्हें समय से पहले डिलीवरी मिलेगी। Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 ने पिछले फोल्डेबल फोन्स की तुलना में सिर्फ 24 घंटों में 40% ज्यादा प्री-ऑर्डर हासिल किए हैं। Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 के लिए प्री-ऑर्डर भारत और बाकी दुनिया में 10 जुलाई को शुरू हुए। ये नए स्मार्टफोन 24 जुलाई, 2024 से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे, साथ ही हाल ही में लॉन्च किए गए अन्य डिवाइस - गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा, गैलेक्सी वॉच7, गैलेक्सी बड्स3 प्रो और गैलेक्सी बड्स3 भी मिलेंगे।

वॉल्वो सीई ने नया 'बिल्ट फॉर भारत' ईसी210 हाईड्रॉलिक एक्सकेवेटर पेश किया

रायपुर: वॉल्वो कंस्ट्रक्शन ईक्विपमेंट (वॉल्वो सीई इंडिया) ने आज 'बिल्ट फॉर भारत' 20-टन एक्सकेवेटर, नया ईसी 210 पेश किया। यह एक्सकेवेटर बढ़ते हुए भारतीय सीई (कंस्ट्रक्शन ईक्विपमेंट) बाजार में इनोवेटिव और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी वाले समाधान प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, जो देश में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाईन किए गए हों। ईसी210 एक्सकेवेटर में अनेक विशेषताओं के साथ बेहतर परफॉर्मेंस और शानदार फ्यूल एफिशियंसी भी मिलती है। इस नए एक्सकेवेटर का अनावरण आज अनिरबन बनर्जी, हेड, अपटाईम एवं पार्ट्स, वॉल्वो सीई इंडिया ने पश्चिमी क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं की मौजूदगी में किया। ईसी210 के लॉन्च के साथ वॉल्वो सीई ने नया ब्रांड कैम्पेन, ''करो ज्यादा की उम्मीद'' भी पेश किया। इस कैम्पेन में मुख्य फिल्म के माध्यम से ज्यादा की इच्छा रखने, उत्कृष्टता की कोशिश करते रहने और सीमाओं को आगे बढ़ाते रहने की मानवीय मानसिकता को दिखाया गया है। इसमें ज्यादा परफॉर्मेंस, ज्यादा वैल्यू, ज्यादा सेविंग्स और ज्यादा अपटाईम के 4 मुख्य गुणों के साथ ईसी210 का मुख्य प्रस्ताव पेश किया गया है।

न्यूज़18 इंडिया की डायमंड स्टेट्स समिट सीरीज़ का दूसरा सत्र रायपुर में, मुख्यमंत्री साय राज्य की उपलब्धियों पर करेंगे बात

रायपुर: मध्य प्रदेश में न्यूज़18 इंडिया डायमंड स्टेट्स समिट की जबरदस्त सफलता के बाद, न्यूज़18 इंडिया 31 जुलाई को रायपुर में होने वाले डायमंड स्टेट्स समिट छत्तीसगढ़ के लिए पूरी तरह तैयार है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना और राष्ट्रीय विकास में राज्य के योगदान पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। डायमंड स्टेट्स समिट छत्तीसगढ़ का उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के नेतृत्वकर्ताओं को एक साथ लाया जाए, ताकि छत्तीसगढ़ के विकासात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके और भारत की व्यापक विकास गाथा में इसकी भूमिका को सुदृढ़ किया जा सके। शिखर सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख सरकारी अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियाँ शामिल होंगी।

टेनिस में एक दिन के अंदर खत्म हुआ भारत का सफर

नहीं रही मेडल की कोई उम्मीद

पेरिस(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 का आयोजन किया जा रहा है। ओलंपिक के दूसरे दिन भारत ने एक मेडल जीत और मनु भाकर ने देश का नाम रौशन किया। भारत की ओर से इस बार कुल 117 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद की जा रही है भारत की बार 10 या उससे ज्यादा मेडल जीत सकता है। इसी बीच भारत को टेनिस इवेंट में निराशा हाथ लगी है। इस इवेंट में एक दिन के अंदर भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं और भारतीय टेनिस खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है। पेरिस ओलंपिक में भारत का टेनिस अभियान सिर्फ एक दिन तक चला, क्योंकि सुमित नागल और रोहन बोपन्ना - एन श्रीराम बालाजी की मेंस डबल्स की जोड़ी रविवार को यहां फ्रांसीसी चुनौतीकर्ताओं से अपने-अपने शुरुआती मैच हारकर बाहर हो गई। ओलंपिक 2024 के दूसरे दिन नागल सबसे पहले कोर्ट पर उतरे, लेकिन उनका मजबूत बेसलाइन गेम तेजतर्रार कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ काफी नहीं रहा, जिन्होंने तीन सेटों में शानदार जीत हासिल की। नागल दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा ले रहे थे। नागल ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की, लेकिन रोलांड गैरोस के कोर्ट सात में उन्हें 2-6, 6-4 और 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। टोक्यो खेलों में, नागल दूसरे दौर में रूसी डेनियल मेदवेदेव से हार गए थे, लेकिन इस बार वह पहले ही दौर से बाहर हो गए। नागल के मैच के बाद, बोपन्ना और बालाजी कोर्ट पर उतरे। जहां उनका सामना फ्रांस की जोड़ी एडौर्ड रोजर-वेसलिन और गेल मोनफिल्स से हुआ। बोपन्ना और बालाजी को फ्रांस की इस जोड़ी के खिलाफ 5-7 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने टेनिस में केवल एक ओलंपिक पदक जीता है, जब लिएंडर पेस ने 1996 के एटलानाटा खेलों में कांस्य पदक जीता था। यह शायद आखिरी बार था जब बोपन्ना ने किसी मल्टी खेल आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 44 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही डेविस कप से संन्यास की घोषणा कर दी है। डबल्स मैच में बोपन्ना और दोनों फ्रांसीसी खिलाड़ियों के बीच कई बार बेसलाइन पर जोरदार आदान-प्रदान हुआ, लेकिन अंत में उनके हाथ निराशा लगी।

ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना अभूतपूर्व : राहुल द्रविड़

पेरिस(एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सराहना की और इसे वास्तव में अभूतपूर्व बताया। राहुल द्रविड़ ड्रीम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा का हिस्सा थे, जिसका शीर्षक था ओलंपिक में क्रिकेट-एक नए युग की शुरुआत, जो चल रहे पेरिस ओलंपिक में पहली बार आयोजित इंडिया हाउस में आयोजित किया गया था। द्रविड़ ने शूटिंग में मनु भाकर को ऐतिहासिक कांस्य पदक के लिए बधाई दी और 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में खुद के किसी न किसी रूप में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। द्रविड़ ने ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने पर कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक महान खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है। ओलंपिक के प्रति अपने लगाव के बारे में बोलते हुए द्रविड़ ने पूर्व अमेरिकी ट्रैक एवं फील्ड एथलीट कार्ल लुईस को टेलीविजन पर पदक जीतते हुए देखने की अपनी यादें ताजा की, जिनके नाम 9 ओलंपिक स्वर्ण पदक हैं। द्रविड़ ने अमेरिका में क्रिकेट के प्रति जुनून के बारे में भी बात की, जहां हाल ही में टी20 विश्व कप का आयोजन किया गया था। यूएसए में क्रिकेट के प्रति जो जुनून देखने को मिला वह शानदार था।

निशानेबाजी ही नहीं बॉक्सिंग में भी मेडल जीत चुकी हैं मनु भाकर

नईदिल्ली(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को पहला मेडल जिताने वाली मनु भाकर का नाम आज हर किसी के जुबान पर है. टोक्यो ओलंपिक 2020 में मेडल से चूकने के बाद मनु ने इस बार ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा. वह भारत के लिए ओलंपिक इतिहास में मेडल जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज बन गई हैं. लेकिन, क्या आपको पता है कि मनु सिर्फ निशानेबाजी ही नहीं बल्कि दूसरे खेलों में भी काफी अच्छी हैं. मार्शल आर्ट्स में तो वो चैंपियन रह चुकी हैं... हरियाणा के झज्जर की रहने वाली मनु का जन्म 18 फरवरी, 2002 को हुआ था. बचपन से ही मनु भाकर को खेल में काफी दिलचस्पी थी. उन्होंने कई खेलों में हाथ आजमाए. आपको बता दें, मनु ने निशानेबाजी से पहले टेनिस, स्केटिंग और यहां तक कि थांग टा मार्शल आर्ट्स में भी हाथ आजमाया जो भारत के मणिपुर में बहुत मशहूर है. इस खेल के प्रति दीवानगी बढ़ी और वह मार्शल आर्ट में नेशनल लेवल की एथलीट बनीं. लेकिन मनु को लगा कि इस गेम में चीटिंग होती है. उसने यह खेल भी छोड़ने का फैसला कर लिया. बच्चे पैदा होते हैं, तभी माता-पिता उनके भविष्य को लेकर सपने देखते हैं. ऐसा ही कुछ मनु भाकर के साथ भी हुआ. उनकी मां डॉक्टर सुमेधा चाहती थीं कि बेटी बड़ी होकर डॉक्टर बने, तो वहीं उनके पिता रामकिशन मनु को बॉक्सर बनाना चाहते थे. मनु के बड़े भाई बॉक्सिंग करते थे और मनु भी बॉक्सिंग करने लगीं.

वाशिंगटन फ्रीडम ने जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब, फाइनल में फ्रांसिस्को को हराया

नईदिल्ली(एजेंसी)। मेजर लीग क्रिकेट को नया चैंपियन मिल गई है। इस लीग का फाइनल मैच वाशिंगटन फ्रीडम और सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की टीमों के बीच खेला गया। स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली वाशिंगटन फ्रीडम ने एक तरफा अंदाज में फाइनल मैच जीता और खिताब अपने नाम किया। फ्रीडम ने खिताबी मुकाबले में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 96 रन से धूल चटा दी। वाशिंगटन फ्रीडम की जीत के हीरो कप्तान स्टीव स्मिथ और मार्को यानसन रहे। डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम पर खेले गए मैच में वॉशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी की। ट्रैविस हेड फाइनल मैच में नहीं चले, लेकिन कप्तान स्टीव स्मिथ ने ताबड़तोड़ बैटिंग की। जिसके चलते वाशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 207 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 52 गेंदों पर 88 रन जड़े, जिसमें 6 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 169.23 का रहा। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल ने 22 गेंदों पर 40 रन ठोके। स्मिथ ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर पारी को 169 रन तक पहुंचाया। मुख्तार अहमद ने 9 गेंदों पर 19 रन और ओबस पिएनार ने 9 गेंदों पर 13 रन बनाकर पारी का अंत किया। वाशिंगटन फ्रीडम से मिले 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की टीम सस्ते में सिमट गई। पूरी टीम 16 ओवर में 111 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से कैर्मी ली रूक्स ने सबसे ज्यादा 20 रनों का योगदान दिया और नॉटआउट लौटे। दूसरी ओर फ्रीडम के लिए मार्को यैनसेन ने चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं रचिन रविंद्र ने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। एंड्रयू टाइ ने दो ओवर में 12 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि सौरभ नेत्रवकर और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-ए विकेट चटकाया। स्टीव स्मिथ को उनकी शानदार और विस्फोटक पारी के लिए फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टीव स्मिथ के लिए ये सीजन काफी शानदार रहा। एमएलसी 2024 के फाइनल में जमाए 6 छक्कों के साथ स्टीव स्मिथ के टूर्नामेंट में कुल 21 छक्के हो गए।

टॉप-10 कंपनियों में सबसे ज्यादा बढ़ा एलआईसी का मार्केट कैप

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में तेजी का ट्रेंड जारी है। इसके कारण शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप भी बढ़ रहा है। बीते सप्ताह बाजार पूंजीकरण के आधार पर देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में 1.85 लाख करोड़ रुपये की बढ़त हुई। इसमें सबसे अधिक फायदा लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) और इन्फोसिस को हुआ है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक और एचयूएल के बाजार पूंजीकरण में कमी देखने को मिली है। पिछले सप्ताह निफ्टी ने 1.24 प्रतिशत और सेंसेक्स ने 0.90 प्रतिशत का रिटर्न दिया। गत 26 जुलाई को समाप्त कारोबारी सप्ताह में देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 44,907 करोड़ रुपये बढ़कर 7,46,602 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 35,665 करोड़ रुपये बढ़कर 7,80,062 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 35,363 करोड़ रुपये बढ़कर 6,28,042 करोड़ रुपये हो गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 30,826 करोड़ रुपये बढ़कर 15,87,598 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 30,282 करोड़ रुपये बढ़कर 8,62,211 करोड़ रुपये हो गया है। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,140 करोड़ रुपये बढ़कर 12,30,842 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 62,008 करोड़ रुपये गिरकर 20,41,821 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

इंडियन ऑयल ने पुणे में कॉर्पोरेट गेम्स 2024 का आयोजन किया

पुणे: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल) ने 26 से 28 जुलाई, 2024 तक पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपने 'कॉर्पोरेट गेम्स' के दूसरे संस्करण का सफल आयोजन किया। इंडियनऑयल के अध्यक्ष श्री श्रीकांत माधव वैद्य ने 26 जुलाई 2024 को सुश्री रश्मि गोविल, निदेशक (मानव संसाधन) की उपस्थिति में इस आयोजन का उद्घाटन किया। इस आयोजन में बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम और तैराकी सहित विभिन्न इनडोर खेल शामिल थे, जिसमें देश भर से 27 मल्टी-डिवीजनल टीमों के हिस्से के रूप में 623 कर्मचारियों ने भाग लिया। अपने उद्घाटन भाषण में, श्री वैद्य ने कर्मचारियों के बीच टीम भावना और एकता को बढ़ावा देने में खेल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इंडियनऑयल को उसके लोगों द्वारा परिभाषित किया जाता है। और खेल हमें जोड़ने और एकजुट करने का एक शक्तिशाली तरीका है, जो सभी मंडल सीमाओं को तोड़ता है, टीम भावना और नेटवर्किंग को बढ़ावा देता है। इस तरह की उत्साही प्रतिस्पर्धा के साथ, हम एक विकसित होते व्यापार परिदृश्य में ऊर्जा के नए रूपों के उभरने के साथ किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। इसलिए, सभी बाधाओं को तोड़ें और अपना सब कुछ दें। याद रखें, जीतने के लिए 17 पदक हैं, लेकिन अनगिनत यादें बननी बाकी हैं। तीन दिवसीय टूर्नामेंट ने रिफाइनरी, पाइपलाइन, मार्केटिंग, अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी), और बिजनेस डेवलपमेंट सहित विभिन्न डिवीजनों के प्रतिभागियों के साथ कर्मचारी जुड़ाव और समग्र कॉर्पोरेट कल्याण के प्रति इंडियनऑयल की निरंतर प्रतिबद्धता को उजागर किया। इस आयोजन का समापन दिल्ली डायनामाइट्स के साथ हुआ, जो रिफाइनरी मुख्यालय, कॉर्पोरेट कार्यालय, और योजना और व्यवसाय विकास का प्रतिनिधित्व करते हुए 'इंडियनऑयल कॉर्पोरेट गेम्स 2024' टीम चैम्पियनशिप ट्रॉफी जीती। पानीपत रॉयल्स (पानीपत रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स) और मुंबई मार्वल्स (मार्केटिंग हेड ऑफिस) ने क्रमश: उपविजेता और तीसरा स्थान हासिल किया। 28 जुलाई, 2024 को हुए ग्रैंड फिनाले और पुरस्कार वितरण समारोह में श्री वी सतीश कुमार, निदेशक (विपणन); श्री एन सेंथिल कुमार, निदेशक (पाइपलाइन); सुश्री रश्मि गोविल, निदेशक (मानव संसाधन); और श्री अरविंद कुमार, निदेशक (रिफाइनरी) उपस्थित थे।

फिलाटेक्स फैशन्स लिमिटेड की माइनिंग सहायक कंपनी को 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (रु. 293 करोड़) का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ

हैदराबाद - हैदराबाद स्थित अग्रणी सॉक्स और कोटन प्रोडक्ट्स बनानेवाली कंपनी फिलाटेक्स फैशन लिमिटेड (BSE – 532022, NSE – FILATFASH) की सहायक कंपनी को 2,97,388 मीट्रिक टन व्हाइट मार्बल की आपूर्ति के लिए 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ है।

खनन व्यवसाय में कंपनी की सहायक कंपनी, फिलाटेक्स माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड को ब्लूमफ्लोरा वेंचर्स लिमिटेड से यह ऑर्डर मिला है। यह कंपनी अफ्रीका में अपने आगामी 54 बेड्स के अस्पतालों के लिए अस्पताल विकास व्यवसाय में है। 7 साल की अवधि में व्हाइट मार्बल सप्लाई का ऑर्डर 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (रु. 293 करोड़) होने का अनुमान है। यह कंपनी की खनन सहायक कंपनी के लिए पहला निर्यात ऑर्डर है।

फिलाटेक्स फैशन लिमिटेड के बॉर्ड ऑफडिरेक्टर्स ने 26 जुलाई 2024 को हुई अपनी बैठक में कार्यकारी निदेशक श्रेणी में कंपनी के अतिरिक्त निदेशक और सीईओ के रूप में श्री सुनील अग्रवाल की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। नियुक्ति आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। श्री सुनील अग्रवाल के पास 10 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है और वित्तीय सेवाओं, सलाहकार, निवेश सलाहकार और जोखिम प्रबंधन परामर्श में विशेषज्ञता रखते हैं और कुछ प्रमुख कंपनियों के बोर्ड में रहे हैं। कंपनी ने 15 जुलाई 2024 को आयोजित असाधारण आम बैठक में 5-फॉर-1 स्टॉक विभाजन को मंजूरी दी।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024

राज्य में अब तक 551.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 551.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से 30 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1325.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 205.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1236 मिलीमीटर है।

दैनिक विश्व परिवार समाचार पत्र के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर गत दिवस विभिन्न अयोजन सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से प्रकाशित प्रदेश के लोकप्रिय समाचार पत्र दैनिक विश्व परिवार ने अपने स्थापना के 11 वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण कर लिये हैं, दैनिक विश्व परिवार पत्र सदैव सकारात्मक रुप से खबरो को प्रस्तुत कर जनसमस्याओं तथा शासन-प्रशासन की गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित करने मे अग्रणी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र है जिसका प्रसार पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के सुदूर अंचलो तक हो गया है।

दैनिक विश्व परिवार समाचार पत्र द्वारा हर वर्ष अपने स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न अयोजन आयोजित किये जाते हैं जो समाज के बीच मे सकारात्मक संदेश प्रस्तुत करने मे उदहारण का कार्य करता है।

वृद्धों के लिये संचालित आनंद आश्रम पहुंचकर उन्हे कराया दोपहर का भोजन : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाचार पत्र समूह ने पत्र के स्थापना दिवस के अवसर पर नेक कार्य से सुरुआत की दैनिक विश्व परिवार की टीम शहर के लाभांडी स्थित आनंद आश्रम पहुंची जहां अभी 60 से अधिक वृद्ध जन निवासरत हैं वहां पहुंचकर पत्र समूह ने वृद्धजनों को दोपहर का भोजन किराया एवं उनके साथ अपना समय व्यतीत कर उनके बारे मे जाना ताथा उन्हे अपनेपन का अहसास कराया।

इस अवसर पर आनंद आश्रम के संचालक श्री सुनील नारवानी ने बताया कि हमारे यहां सभी राज्यो से महिला एवं पुरुष बुजुर्ग यहां निवासरत हैं एवं वे सभी जगह से आये हुए बुजुर्गो के यहां आवास एवं भोजन की व्यवस्था करते हैं। दैनिक विश्व परिवार ने जब वृद्धो से उनका हाल जाना तो उन्होने बताया कि यहां उन्हे परिवार की तरह प्रेम पूर्वक रखा जाता हैं, हमे तो ऐसा लगता है कि मानो हम छोटा परिवार छोड़कर बड़े परिवार मे निवास करने यहां आ गये हैं। यह आयोजन पत्र के समूह सम्पादक प्रसंग जैन के नेतृत्व मे सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

फलदार एवं छायादार पौधा रोपण का व्यापक कार्यक्रम : जगत मे कहावत है कि जो पौधे हम रोपते हैं जरूरी नहीं कि हम उसके फल चख पाऐं परन्तु यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने योगदान को न भूले इस लिए दैनिक विश्व परिवार समाचार पत्र समूह ने 'सांसे हो रही है कम आओ पेड़ लगायें हम' अभियान के तहत अपने सभी पत्रकारों एवं कर्मचारियों के साथ विभिन्न स्थानों पर फलदार एवं छायादार पौधा रोपण का वृहद अभियान चलाया जिसकी प्रशंसा विभिन्न स्थानों पर उपस्थित समुदाय द्वारा की गई, इस अभियान का शुभारंभ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय से प्रारंभ हुआ जिसके मार्गदर्शक श्री प्रो. बलदेव भाई शर्मा कुलपति कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रहे आगे विभिन्न स्थानो पर पौधेरोपण का कार्य श्री प्रदीप जैन प्रधान संपादक विश्व परिवार, श्री नरेन्द्र त्रिपाठी प्रभारी कुलसचिव कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, उपकुलसचिव सौरभ शर्मा, प्राध्यापक पंकल नयन पाण्डेय, डॉ. नीति ताम्रकार, आकांक्षा गादरे अधिकरी सीएसईबी डगनियां, प्रियेश जैन, प्रसंग जैन, राजेन्द्र कुमार, बृजपाल सिंह डहरिया, मोनू सिंह, सत्यनारायण दीप, जय वाधवा, रेनूका साहू आदि के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ।

बजरंग अग्रवाल ने अपर मंड़ल रेल प्रबंधक (परिचालन) रायपुर का पदभार ग्रहण किया

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के नये अपर मंड़ल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री बजरंग अग्रवाल को बनाया गया हैं।

बजरंग अग्रवाल भारतीय रेलवे स्टोर सेवा (IRSS) -2005 बैच के अधिकारी है। बजरंग अग्रवाल पश्चिम रेलवे में उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (प्रशासन) पद पर कार्यरत थे।

दिनांक 29 जुलाई, 2024 को अपराह्न के बाद बजरंग अग्रवाल ने अपर मंड़ल रेल प्रबंधक (परिचालन) रायपुर का पदभार ग्रहण किया। बजरंग अग्रवाल ने वर्ष 2015 में महाप्रबंधक रेल सेवा पदक से भी सम्मानित हैं। इन्होने आई आई एस सी (IISc) बेंगलुरु से एम. टेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) की उपाधि हासिल की है। वर्ष 2017 में जापान से हाई स्पीड ट्रेन की ट्रेनिंग भी की है। बजरंग अग्रवाल पूर्व में सेंटर रेलवे में डिप्टी चीफ विजिलेंस ऑफिसर और उप मुख्य सामग्री प्रबंधक मटुंगा वर्कशॉप मुंबई के पदो पर भी कार्य कर चुके है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मनु भाकर एवं सरबजोत को पदक जीतने पर दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर सुश्री मनु भाकर एवं श्री सरबजोत को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड स्पर्धा में आप लोगों ने देश के लिए गौरव हासिल किया, इसके लिए आपको बहुत सारी शुभकामनाएं। अपने संदेश में उन्होंने लिखा है कि सुश्री मनु पहली भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक ही ओलंपिक खेल में दो पदक हासिल किए हैं यह विशेष उपलब्धि है।

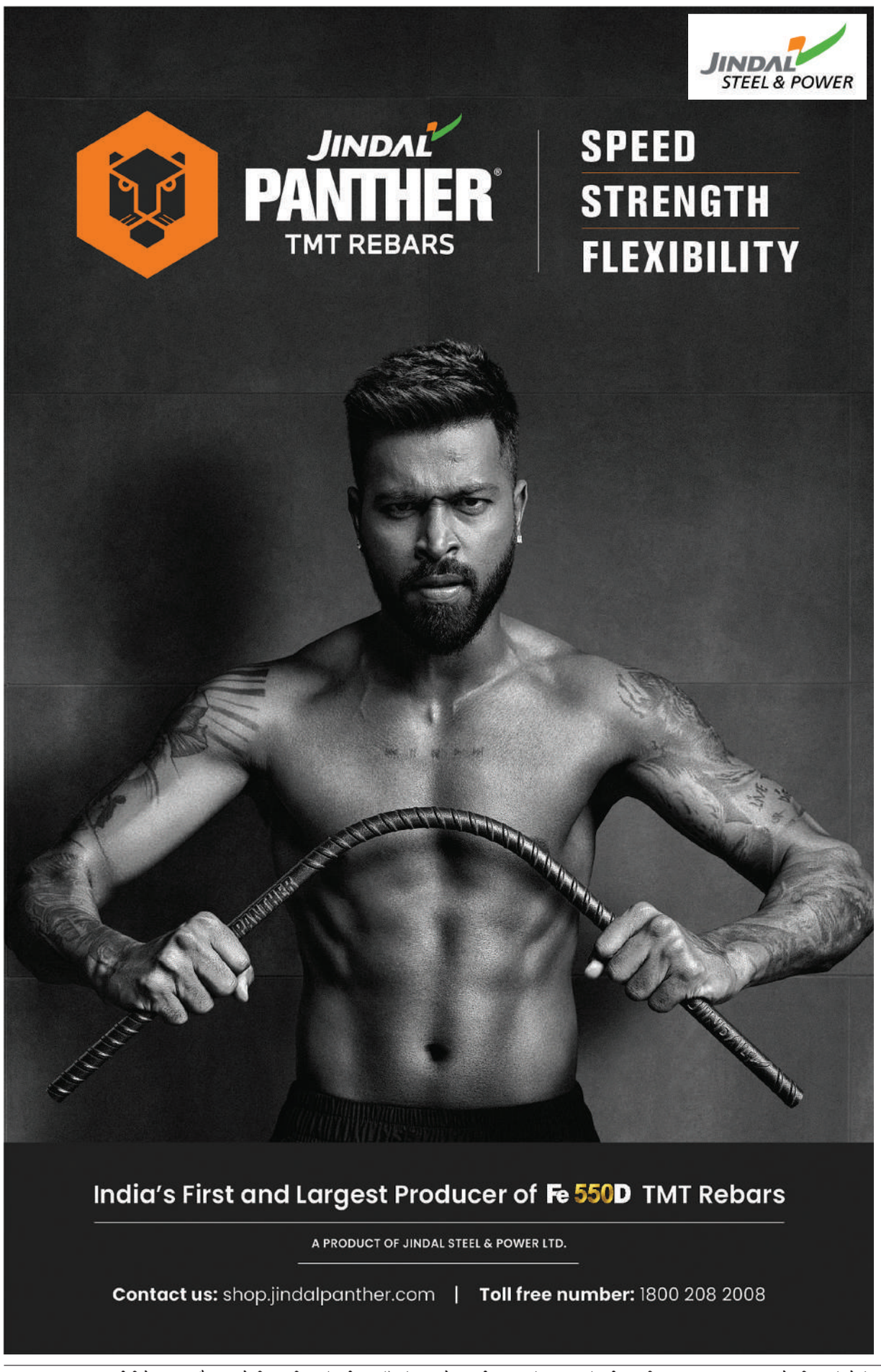

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354